वर्षः- 06
अंकः- 34
मुरादाबाद
(Monday)
25 May 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

330 युवाओं को मिली सरकारी नौकरी, पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये संबोधित भी किया

यूपी के 330 युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र मिला। पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये उन्हें संबोधित भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 19वें राष्ट्रीय रोजगार मेले के तहत देशभर में 51 हजार से अधिक युवाओं को वर्चुअल माध्यम से नियुक्ति पत्र दिए। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित रोजगार मेले में 330 उम्मीदवारों को सरकारी सेवा में शामिल होने का अवसर मिला। इनमें से 198 युवाओं को भारतीय रेलवे में नियुक्ति मिली है।इस मौके पर

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये युवाओं को संबोधित भी किया। इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का यह रोजगार मेला युवाओं को सरकारी नौकरी के अवसर प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।मंच से इन्हें मिला नियुक्ति पत्र

नेहा करवा, पूर्णिमा यादव, ईशांत वर्मा, दिनेश कुमार शर्मा, आलोक सिंह, शिवानी चौधरी, नीलम यादव, अमित कुमार, शिवम यादव, धीरज कुमार, मानसी सिंह, अमृता देवी, मोहम्मद तौफीक, नितिन कश्यप, रौनक श्रीवास्तव, रोहित सिंह, आयुष पटेल, शिवेन्द्र सिंह, दीपेंद्र सिंह, आशीष यादव, वैशाली वर्मा, कोमल गौतम, विजय कुमार चौधरी, सलोनी गुप्ता, तौसीफ अहमद मलिक, हेमापांडेय, नीरज, रोहित शर्मा पलवी कौर।नियुक्ति पत्र पाकर बोले युवा- उत्तर रेलवे में रेडियोग्राफर ग्रेड-1 की नौकरी पाने वाली पूर्णिमा यादव ने कहा, लग रहा था कि नियुक्ति पत्र घर पर आएगा, लेकिन मंच से सम्मान के साथ मिला बहुत खुशी हुई। पूर्वोत्तर रेलवे में स्टाफ नर्स के पद भर्ती हुई शिवानी चौधरी ने कहा कि समय से नियुक्ति पत्र मिला इस बात की खुशी है। रेलवे में कस्टमर सर्विस एसोसिएट के पद पर चयनित हुए विशाल वर्मा ने बताया कि नौकरी पाने के लिए बहुत मेहनत की तब सफलता मिली। मंच से नियुक्ति पत्र पाकर खुशी और दोगुनी हो गई।

संक्षिप्त समाचार

अभिजीत दिपके के घर की सुरक्षा बढ़ी: कांग्रेस बोली- आईबी की चेतावनी के बाद कॉकरोच जनता पार्टी पर की कार्रवाई

महाराष्ट्र में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर असहमति दबाने का आरोप लगाया है। नाना पटोले और बालासाहब थोराट ने दावा किया कि व्यंग्यात्मक डिजिटल समूह कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया अकाउंट्स सरकार के दबाव में ब्लॉक किए गए।महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने भाजपा पर जनता के विरोध को दबाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि सरकार ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नामक एक व्यंग्यात्मक डिजिटल समूह के सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया। इसके पीछे खुफिया विभाग की एक रिपोर्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें संभावित सार्वजनिक अशांति की चेतावनी दी गई थी।पूर्व राज्य कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले और बालासाहेब थोराट ने आरोप लगाया है कि सरकार युवाओं, गरीबों और बेरोजगारों के मुद्दों को संबोधित करने के बजाय लोगों के गुस्से को दबा रही है। इसी सप्ताह की शुरुआत में सीजेपी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर एक अभियान चलाया था, जो नीट पेपर लीक मामले से जुड़ा था।आईबी की रिपोर्ट के हवाले भाजपा पर निशाना- नाना पटोले ने दावा किया कि खुफिया विभाग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आगाह किया था कि सीजेपी का बढ़ता सोशल मीडिया अभियान देश में अशांति पैदा कर सकता है, जिसके बाद सामग्री को ब्लॉक कर दिया

बिजली संकटः बैठक में सीएम योगी के सख्त निर्देश- गांव हो या शहर भीषण गर्मी में निर्बाध बिजली देना सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक में बढ़ती बिजली मांग के बीच उत्पादन क्षमता बढ़ाने और सभी इकाइयों को पूरी दक्षता से संचालित करने के निर्देश दिए और कहा कि आम जन को बिजली आपूर्ति के बारे में सही जानकारी दें, समाधान कब तक, यह भी बताएं।यूपी में बिजली कटौती को लेकर मचे हाहाकार के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भीषण गर्मी और बढ़ती बिजली मांग के बीच प्रदेश में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन, किसानों, व्यापारियों और उद्योगों को बिजली संकट का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी स्तरों पर सतत मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि गर्मी के इस चुनौतीपूर्ण दौर में ऊर्जा विभाग पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करे। मुख्यमंत्री रविवार को ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा एवं राज्य मंत्री कैलाश सिंह राजपूत की उपस्थिति में ऊर्जा विभाग, पावर कॉरपोरेशन एवं सभी डिस्कॉम के अधिकारियों के साथ विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने राज्य की विद्युत उत्पादन क्षमता को और सुदृढ़ बनाने तथा गर्मी के मौसम में निर्बाध बिजली उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए उत्पादन इकाइयों की अधिकतम क्षमता का उपयोग किया जाए और सभी संयंत्रों में तकनीकी दक्षता तथा रखरखाव व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़कर 13,388 मेगावाट हो गई है।इसमें अनपरा, ओबरा, हरदुआगंज, परीछा, जवाहरपुर और पनकी जैसे तापीय विद्युत गृहों की 9,120 मेगावाट क्षमता शामिल है, जबकि जल विद्युत परियोजनाओं से 526.4 मेगावाट क्षमता उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त मेजा, घाटमपुर और खुर्जा परियोजनाओं से संयुक्त उपक्रमों के माध्यम से 3,742 मेगावाट क्षमता राज्य को प्राप्त हो रही है। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2026 तक उत्पादन निगम की स्थापित क्षमता में 86 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त, गैर पारंपरिक ऊर्जा विकल्पों से लगभग 10 हजार मेगावॉट बिजली उत्पादन हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए ट्रांसमिशन नेटवर्क को और अधिक मजबूत, आधुनिक एवं भरोसेमंद बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति व्यवस्था की मजबूती के लिए ट्रांसमिशन प्रणाली की दक्षता अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम में किसी भी प्रकार की तकनीकी बाधा को न्यूनतम रखा जाए तथा ट्रांसमिशन नेटवर्क की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड के पास वर्तमान में 60,858 सर्किट किलोमीटर लंबी ट्रांसमिशन लाइनें संचालित हैं। प्रदेश में 715 उपकेंद्रों के माध्यम से 2,05,632 एमवीए क्षमता उपलब्ध है। ट्रांसमिशन नेटवर्क की उपलब्धता 99.30 प्रतिशत दर्ज की गई है, जबकि पारेषण हानियां घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई हैं। बिजली वितरण व्यवस्था को और अधिक जवाबदेह और उपभोक्ता केंद्रित हो मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली वितरण व्यवस्था को और अधिक जवाबदेह और उपभोक्ता केंद्रित बनाया जाए। उन्होंने फीडर वाइज जवाबदेही तय करने के निर्देश देते हुए कहा कि ट्रांसफॉर्मर खराब होने, फीडर बाधित होने अथवा शिकायत निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आंधी-तूफान और अत्यधिक तापमान जैसी परिस्थितियों के बावजूद फील्ड स्तर पर त्वरित रिस्पॉन्स सिस्टम सक्रिय रखा जाए। बैठक में बताया गया कि 4, 7 और 15 मई को आए आंधी-तूफान के कारण प्रदेश में 38 सब-स्टेशन और 326 फीडर प्रभावित हुए, लेकिन मरम्मत एवं बहाली कार्य तेजी से कराया गया। मुख्यमंत्री ने भूमिगत केबल वाले स्थलों पर खुदाई से पूर्व सक्षम प्राधिकारी से विधिवत स्वीकृति सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए ताकि विद्युत व्यवस्था बाधित न हो।।रात्मक बताते हुए इसे और बेहतर करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2022-23 की तुलना में पावर ट्रांसफॉर्मर क्षति में लगभग 80 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2022-23 में 429 पावर ट्रांसफॉर्मर क्षतिग्रस्त हुए थे, जबकि वर्ष 2025-26 में यह संख्या घटकर 87 रह गई। बैठक में यह भी बताया गया कि 100 केवीए से अधिक क्षमता वाले वितरण ट्रांसफॉर्मरों की क्षति दर में भी उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2022-23 में जहां 39,177 बड़े ट्रांसफॉर्मर क्षतिग्रस्त हुए थे, वहीं वर्ष 2025-26 में यह संख्या घटकर 20,292 रह गई। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा तंत्र की व्यापक स्थापना, समयबद्ध मरम्मत और जवाबदेही तय किए जाने से यह सुधार संभव हुआ है।

बेरोजगारी और आर्थिक दबाव से जनता का जीना मुहाल, मायावती बोलीं-ब्राह्मणों को बसपा ने दिया सर्वाधिक सम्मान

बसपा सुप्रीमो मायावती ने राजधानी में राज्यस्तरीय बैठक की। इसमें उन्होंने कार्यकर्ताओं को %हाथी पर बटन दबाना है, पांचवीं बार सत्ता में वापस आना है% का मंत्र दिया। साथ ही आर्थिक सहयोग की भी अपील की। राजधानी लखनऊ में मॉल एवेन्यू स्थित आवास पर रविवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने राज्य स्तरीय बैठक की। इसमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर बड़ा संदेश दिया। बैठक में आकाश आनंद और आनंद कुमार मौजूद रहे। साथ ही यूपी के सभी जिलाध्यक्ष और वरिष्ठ पदाधिकारी बुलाए गए थे।बैठक के बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति में मायावती ने कहा कि पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने, जनाधार बढ़ाने और विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर गंभीरता से काम किया जाए। जनता विरोधी और छलावे की राजनीति से लोगों का आत्मसम्मान के साथ जीना मुश्किल हो गया है। पांचवीं बार सरकार बनाने का मिशन- मायावती ने कहा कि बदलते राजनीतिक हालात और चुनावी चुनौतियों को देखते हुए बसपा को और अधिक चुस्त-दुरुस्त एवं मुस्तैद बनने की

जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि यूपी में बसपा के पक्ष में जनरुझान बढ़ रहा है। पार्टी का लक्ष्य प्रदेश में पांचवीं बार सर्वजन हिताय सरकार बनाना है।विपक्षी दलों की राजनीति पर हमला- बसपा सुप्रीमो ने बिना नाम लिए विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव के समय जनता से बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही सरकारें अपने वादों और घोषणाओं को भूल जाती हैं।

ऐसी छलावा और विभाजनकारी राजनीति से जनता का भला नहीं हो रहा है। लोगों को जागरूक करें कि उनका वोट ही सबसे बड़ा अधिकार और हथियार है। रोजगार, कानून व्यवस्था और महंगाई को बनाया मुद्दा- मायावती ने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई, नए-नए नियम-कानून और आर्थिक दबावों के कारण आम जनता का जीवन कठिन हो गया है। उन्होंने सरकारों से रोजगार, रोटी, शांति-सौहार्द और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर ध्यान देने की अपील की। कहा कि बसपा सरकार के दौरान कानून व्यवस्था और सर्वजन हिताय की नीति से प्रदेश में बेहतर माहौल बना था। जनता को उसी मॉडल पर फिर भरोसा करना चाहिए। सर्वसमाज का हित बसपा में सुरक्षित- मायावती ने कहा कि वर्ष 2007 की तरह सर्वसमाज को सम्मान और भागीदारी देने का काम बसपा ने किया था। उन्होंने दावा किया कि ब्राह्मण समाज समेत कमजोर तबकों को बसपा शासन में उचित सम्मान मिला और सर्वसमाज का हित केवल बसपा में सुरक्षित है। बैठक में पार्टी संगठन की प्रगति रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई। बूथ स्तर तक नेटवर्क मजबूत करने की रणनीति बनाई गई।

राहुल गांधी का मुस्लिम नेताओं को सीधा संदेश, बोले- मुस्लिम शब्द बोलने से न हिचके कांग्रेस

राहुल गांधी ने कांग्रेस के मुस्लिम नेताओं से समुदाय से जुड़े मुद्दों को खुलकर उठाने और पार्टी में मुस्लिम प्रतिनिधित्व बढ़ाने को कहा है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम शब्द इस्तेमाल करने से कांग्रेस को नहीं हिचकना चाहिए। बैठक में राहुल गांधी ने वोट चोरी, पश्चिम बंगाल और असम चुनावों की निष्पक्षता तथा देश की आर्थिक स्थिति को लेकर भी केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाए।राहुल गांधी ने कांग्रेस के मुस्लिम नेताओं से साफ कहा है कि उन्हें अपने समुदाय से जुड़े मुद्दों को खुलकर उठाना चाहिए और पार्टी में मुस्लिम समाज की भागीदारी बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से काम करना चाहिए। नई दिल्ली में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की बैठक में राहुल गांधी ने यह संदेश दिया। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने कहा कि अगर किसी मुस्लिम के साथ अन्याय होता है तो उसकी आवाज केवल 'अल्पसंख्यक' कहकर नहीं बल्कि 'मुस्लिम' पहचान के साथ उठाई जानी चाहिए। राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय आया है जब

विपक्ष लगातार सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोल रहा है।बैठक में राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को मुस्लिम शब्द इस्तेमाल करने से बचना नहीं चाहिए। सूत्रों के अनुसार उन्होंने कहा कि आजकल लोग सीधे 'मुस्लिम' कहने के बजाय माइनॉरिटी यानी अल्पसंख्यक शब्द का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, जबकि समुदाय की असली पहचान को सामने रखना जरूरी है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि अगर दलित, ओबीसी या सामान्य वर्ग के लोगों पर हमला होता है तो उनकी पहचान के साथ मुद्दा उठाया जाना चाहिए। उनका मानना था कि हर समुदाय की समस्याओं को सीधे उसी नाम से सामने लाने पर ही उसकी आवाज मजबूत होगी। कांग्रेस नेताओं के बीच इस बयान को पार्टी की नई राजनीतिक रणनीति के तौर पर भी देखा जा रहा है।मुस्लिम समुदाय की भागीदारी बढ़ाने पर क्या कहा गया? सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी ने कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग से कहा कि पार्टी के भीतर ऐसा मंच तैयार किया जाए जिससे मुस्लिम समुदाय की भागीदारी और प्रतिनिधित्व बढ़ सके। वल चुनावी राजनीति नहीं बल्कि संगठन में भी समुदाय की मजबूत मौजूदगी जरूरी है। राहुल गांधी ने इस दौरान यह संकेत देने की कोशिश की कि कांग्रेस को अपने पारंपरिक वोट बैंक के साथ सीधे संवाद बढ़ाना होगा। बैठक में मौजूद नेताओं के अनुसार राहुल गांधी चाहते हैं कि पार्टी के नेता जमीन पर जाकर समुदाय से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएं और लोगों के बीच भरोसा पैदा करें। वोट चोरी और चुनाव प्रक्रिया पर राहुल गांधी ने क्या कहा? बैठक के दौरान राहुल गांधी ने कथित वोट चोरी के मुद्दे का भी जिक्र किया। सूत्रों के अनुसार उन्होंने कहा कि पहले ममता बनर्जी इस मुद्दे पर कांग्रेस के साथ नहीं थीं, लेकिन अब वह भी इसके खिलाफ आंदोलन की बात कर रही हैं।

संपादकीय Editorial

The Prime Minister is not a "traitor."

Rahul Gandhi is the Leader of the Opposition in the Lok Sabha. This is the second most important and constitutional position! In terms of protocol and politics, the Leader of the Opposition is considered a "shadow Prime Minister." After the Prime Minister, the Leader of the Opposition's parliamentary party holds the largest mandate, so this honor and prestige must be respected. However, by publicly calling the country's third-term elected Prime Minister Modi and Home Minister Amit Shah "traitors," Rahul Gandhi has crossed the "red line." When Prime Minister Modi is representing India abroad and the Leader of the Opposition calls him a "traitor," India is also insulted. The Prime Minister can never be a "traitor," because he has the mandate; of course, you can oppose him ethically. Rahul's use of the "traitor" insults the country's population of over 1.47 billion. This is undoubtedly condemnable, shameful, unparliamentary, unconstitutional, and indecent. We also believe, and are constantly analyzing, that the country is facing economic, oil, and fertilizer crises, and shortages, but we disagree with the notion that an "economic storm" is brewing. If Rahul Gandhi, as the leader of the opposition, harbors anger and resentment, and that farmers, youth, women, laborers, and small businesses are truly crying, then instead of calling the Prime Minister, the Home Minister, and the RSS "traitors," he should have called for a mass movement. Opposition leader Rahul Gandhi could have presented the nation with a blueprint for an "alternative economic situation," but instead resorted to taunting language. Rahul Gandhi used derogatory language against the Prime Minister, saying, "One day, the Prime Minister will come on TV and cry again. Just like he did during COVID, he will cry again and apologize to the country." This is not the language of a national, democratic leader; rather, Rahul's feudal mindset is driving him to speak like this. It was in this very context that he coined the phrase "Chowkidar Chor Hai" (the watchman is a thief) against Prime Minister Modi in 2019. Rahul Gandhi must still remember the depths to which Congress had sunk in that Lok Sabha election. He publicly declared that the country's youth would beat up Prime Minister Modi. He also called the Prime Minister a "curse" and a "broker of soldiers' blood." Rahul's outbursts may reflect the frustration and disappointment of repeatedly losing elections, but he himself must exercise control. Today, he is the Leader of the Opposition. Tomorrow, such political dynamics may emerge that the entire opposition declares him the "Prime Ministerial candidate." Therefore, he must refrain from his habitual use of abusive language and transform his personality, statements, and calls into serious, logical, and nationally beneficial ones. Only then can the country begin to see him as an "alternative Prime Minister." Our assessment and analysis is that he can never become Prime Minister solely through anti-Modi hate politics. Congress President Mallikarjun Kharge also used abusive terms for the Prime Minister, such as "poisonous snake" and "100-headed Ravana." This isn't "habitual" for the Congress and its leaders. In fact, they hate Prime Minister Modi and call him "your Prime Minister" despite 12 years in power. Rahul Gandhi also said that if RSS members come to you and talk about Modi and Shah, tell them that your Prime Minister, Home Minister, and organization are "traitors." They have sold India. They have attacked our Constitution, Ambedkar, and Gandhi. To whom have they sold the country and the Constitution?

There's a huge gap in the political styles between Mamata Banerjee and Abhishek Banerjee.

Abhishek Banerjee's biggest problem is that he hasn't experienced the politics of struggle. He entered politics after Mamata Banerjee came to power in 2011. Amidst the glare of power, he was appointed president of the Trinamool Youth Congress that same year. A significant difference is clearly visible between Mamata Banerjee and Abhishek Banerjee's political styles. Mamata Banerjee's style is completely based on street politics, aggressive public communication, and emotional appeal. She is considered a symbol of the politics of struggle, movement, and direct confrontation. Her language and style seem to connect with the common worker. Abhishek Banerjee, on the other hand, appears to practice a more modern, management-based, and strategic politics. His focus is more on organization, digital outreach, youth leadership, and planned election management. He strives to deliver a less emotional and more controlled political message. In other words, Mamata Banerjee is the leader of movement politics, while Abhishek Banerjee seems to be striving to become the face of organizational and new-generation electoral politics. Following the Trinamool Congress's defeat, the Trinamool Congress appears to be in complete disarray. Both winners and losers are openly and silently criticizing the party leadership. Even party spokespersons are making contradictory and anti-party statements. Most leaders are either confined to their homes or away from their constituencies. In such an environment, Mamata Banerjee is constantly holding meetings in Kalighat to boost the morale of workers and leaders. Indeed, Mamata Banerjee has always been more inclined towards opposition politics. Her struggles from the streets to the House established her as an influential opposition leader, but she failed to achieve the same popular image as Chief Minister. Despite being in power, her political style has always been that of a combative and militant leader. Now, with the same zeal, she is once again trying to rebuild the party, which currently appears completely defeated and disintegrated. Abhishek Banerjee attends every meeting with Mamata Banerjee. Considered the second-in-command of the Trinamool Congress, addressed by party members as "Senapati," Abhishek Banerjee is also present alongside Mamata Banerjee at every meeting. However, the biggest challenge facing Abhishek Banerjee is that disgruntled and disgruntled Trinamool leaders are particularly uncomfortable with his political style. Those leaders who are not openly naming him are actually targeting the IPAC imposed on the party through him. Abhishek Banerjee's biggest problem is that he has never seen the politics of struggle. He entered politics after Mamata Banerjee came to power in 2011. Amidst the aura of power, he was appointed president of the Trinamool Youth Congress that same year. He began his electoral political career in 2014 from the Diamond Harbour Lok Sabha seat, where, at the age of 26, he entered the 16th Lok Sabha as a young MP. Abhishek Banerjee's Journey - In 2019, he was elected MP from this same constituency for the second time in the 17th Lok Sabha. Meanwhile, Mamata Banerjee returned to power for a third consecutive term in 2021, blunting the BJP's "Abki Baar 200 Paar" slogan. At that time, there was no major figure left in party and state politics to challenge Mamata Banerjee. That same year, she established Abhishek Banerjee as the party's National General Secretary, establishing him as the second most influential leader in the Trinamool Congress. In 2024, Abhishek Banerjee also won his third consecutive election, entering the 18th Lok Sabha. Following this, his influence within the party steadily grew, and major decisions became almost impossible without his consent. He furthered the "elderly versus younger" debate and attempted to marginalize several senior leaders. This drew both tacit and open criticism, but despite this, he was appointed the party's leader in the Lok Sabha in August 2025. Mamata Banerjee's Trust in Abhishek Banerjee - At 72, Mamata Banerjee is once again talking about rebuilding and strengthening the party. However, given her physical condition, this no longer seems entirely within her power. She doesn't seem to trust anyone other than the party's "second in command," or commander-in-chief. Abhishek Banerjee also has his limitations. After the removal of Z-plus security, he has largely confined himself to his home and Mamata Banerjee's residence. When he ventured out, his convoy resembled that of a head of state. However, not only has he remained distant from the general public, but he has also lost the same closeness with the party's MPs, ministers, and MLAs. Given Mamata Banerjee's advancing age and Abhishek Banerjee's working style, it currently seems unlikely that the party will be able to regain its former strength. The current situation can be gauged from the fact that the MLA in whose constituency Abhishek Banerjee had a lead of nearly 170,000 votes in the 2024 Lok Sabha elections has left the field. In such a situation, the possibility of a split within the party cannot be ruled out. It is believed that some leaders may seek new political destinations in the BJP, while others may seek new political destinations in the Congress.

After all, human life is more valuable than the life of a stray dog.

The number of stray dogs in the country is estimated to be around 60 million to 70 million, meaning that on average, there is one stray dog ??for every 20 Indians. If even one percent of these are dangerous or rabid, the number would be no less than 600,000 to 700,000. In its latest decision, instead of showing any sympathy or compassion for stray and dangerous dogs in the country, the Supreme Court authorized the killing of rabid and dangerous dogs to prevent the threat to human life. The court stated in its order that the relevant authorities, in accordance with the Animal Birth Control (ABC) Rules and other applicable legal protocols, may take legally permissible measures, including killing dogs that are terminally ill, rabid, or clearly dangerous and aggressive, to effectively eliminate the threat to human life and safety. Furthermore, the Supreme Court has directed all High Courts to monitor the matter and has also warned of contempt proceedings against negligent officials. While this strict Supreme Court order has brought relief to dog victims, it has also deeply disappointed dog lovers. These people are criticizing the killing of dogs, linking it to diminished human dignity. This simply means that killing a dangerous dog is a lesser form of human dignity than killing an innocent person bitten by a stray dog. Most animal lovers who support dogs are those who have likely not experienced a loved one die of rabies. Of course, this Supreme Court decision has also sparked debate. But to assume that a human life is less valuable than a dog's is to delude oneself. Whether it's a human or an ant, life is life, but why and how it is taken or lost is equally important. The number of stray dogs in the country is estimated to be around 60 million to 70 million, meaning that on average, there's one stray dog ??for every 20 Indians. If even one percent of these dogs are dangerous or rabid, their number would be no less than 600,000 to 700,000. Just thinking about the number of people who could be killed by so many dogs is chilling. This figure doesn't include pet dogs, which are kept for security reasons, to show off their wealth, or out of pure dog love. It's a matter of concern that our country lacks an effective system to control the growing stray dog ??population, curb their reproductive capacity, or control dogs that have become rabid or violent due to various reasons. In some places, dogs are sterilized, but it's not very effective. Some stray dogs are captured and released into remote forests, and most of them return to their homes and become lions. A dog is a friend of man, but when it becomes violent, it forgets all relationships. In India, approximately 15,000 to 20,000 people die from dog bites every year. Those who contract rabies after being bitten due to lack of proper treatment suffer even worse fates than the dogs themselves. However, dog lovers prefer to brush this negative aspect of dogs under the carpet of compassion. This issue also came up in the Supreme Court last year. A bench of Justices Vikram Nath, Sandeep Mehta, and N.V. Anjaria, in a suo motu case regarding the menace of stray dogs, directed that stray dogs captured from public places like hospitals, bus stands, schools, and railway stations would not be released back into the same area after vaccination or sterilization. The court also mandated that authorities remove stray dogs from such premises and sterilize them, followed by sending them to dog shelters. However, the practicality of this decision was questioned, and such treatment of dogs was called inhumane (or unbearable?). Several petitions challenging the Standard Operating Procedure (SOP) issued by the Animal Welfare Board of India were also dismissed by the Supreme Court. This means the court refused to reverse its previous decision. Despite all the sympathy for dogs, the harsh reality is that stray dogs have become death warrants for children and the elderly. However, strict enforcement of this court order remains questionable. Despite the court's acknowledgment that the problem of deaths due to stray dog ??bites has become extremely serious, the court also stated that contempt proceedings could be initiated against officers who failed to establish safe arrangements. There is no doubt that dogs also have the right to live and live with full dignity. Compassion for mute creatures is a human quality. But the real question is: what should humans do if a dog ceases to be a dog and truly becomes a dog? Should they continue to risk their own lives and spare the lives of dogs? Those opposing this decision are conflating the human rights of dogs with the protection of human dignity. However, the Supreme Court, in its decision, has cleared up this confusion by stating that the right to live with dignity includes the right to live freely without fear of dog attacks. Therefore, the state cannot remain a mute spectator. The court also cannot turn a blind eye to the harsh ground realities where children, Foreign travelers and the elderly have fallen victim to dog bites. The Constitution does not envision a society where the lives of children and the elderly depend solely on physical strength or luck. Clearly, this decision isn't against animal compassion; it only concerns stray, violent, and rabid dogs. The idea that stray dogs should be treated with all possible care, fed, and prevented from straying and attacking humans sounds interesting and idealistic in theory. But consider the suffering of families who have lost a loved one to a stray dog ??bite. Many of these are flowers that have withered before they could bloom, and many have lost their lives prematurely, either in their youth or in old age. And this is not a sacrifice made in the name of animal love, but rather the result of the forced unrestrained access given to stray dogs or the stubborn insistence on considering dogs more important than humans.

कबाड़ एंबुलेंसों को हटाएं, पानी-कूलर व्यवस्था दुरुस्त करें, डिप्टी सीएम पहुंचे मुरादाबाद जिला अस्पताल

वैचारिक दिवालियापन के दौर से गुजर रही कांग्रेस, ब्रजेश पाठक ने राहुल गांधी को दी आत्ममंथन की सलाह

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने जिला अस्पताल का निरीक्षण कर मरीजों से बातचीत कर अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने हीट वेव को लेकर अस्पताल में पेयजल, कूलर और जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करने तथा कबाड़ एंबुलेंस हटाने के आदेश भी दिए।उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने रविवार को जिला अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मरीजों से बातचीत कर अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली और अधिकारियों को उपचार व्यवस्था और अस्पताल के रखरखाव को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।अस्पताल परिसर में खड़ी कबाड़ एंबुलेंसों को जल्द हटाने के लिए भी कहा गया। डिप्टी सीएम ने निर्देश दिए कि मरीजों को जरूरत की हर सुविधा तत्काल उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने जिला प्रशासन और पुलिस को हीट वेव को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए।साथ ही अस्पताल परिसर में शुद्ध पेयजल, कूलर और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि अत्यधिक गर्मी में लू लगने का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए लोगों को सावधानी बरतने के लिए जागरूक करना जरूरी है।इससे पहले डिप्टी सीएम ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के तहत आयोजित जिला प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया और प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद विकास कार्यों में तेजी आई है और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच रहा है।उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि देश की जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह नकार दिया है और अब वह वैचारिक दिवालियापन के दौर से गुजर रही है। राहुल गांधी और उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी को अपनी गिरती राजनीतिक भाषा पर आत्ममंथन की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि जनता उनके कुत्सित विचारों को कभी स्वीकार नहीं करेगी। दो दिवसीय दौरे पर रविवार को मुरादाबाद पहुंचे उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बुद्धि विहार स्थित व्हाइट हाउस में आयोजित भाजपा महानगर प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम में शामिल होने के पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वो (राहुल गांधी) इस समय भारी हताशा के दौर से गुज़र रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी इस बात को अच्छी तरह समझते हैं कि जनता अब उनके किसी बहकावे में आने वाली नहीं है। कहा कि लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरीब कल्याण योजनाओं ने जनता के बीच अपना आधार मजबूत किया है और लगातार उनके प्रति जन विश्वास बढ़ा है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाअभियान कार्यक्रम में अपने संबोधन में वर्ष 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को सरकार का मुख्य लक्ष्य बताते हुए कार्यकर्ताओं से इसे जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरीब कल्याण योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्राथमिकता है और इसके लिए कार्यकर्ता साल के 365 दिन धरातल पर सक्रिय रह कर एकजुटता से कार्य कर रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर विस्तृत चर्चा करते हुए उन्होंने जोर दिया कि विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए इस अभियान से प्रत्येक नागरिक को जोड़ा जा रहा है। प्रदेश की कानून व्यवस्था और विपक्ष के रुख पर कड़ा प्रहार करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अपराधियों के विरुद्ध %जीरो टॉलरेंस% की नीति पर अडिग है और कानून अपना काम पूरी प्रतिबद्धता के साथ कर रहा है ताकि प्रत्येक अपराधी को कठोरतम सजा मिल सके। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि देश की जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह नकार दिया है और अब वह वैचारिक दिवालियापन के दौर से गुजर रही है। राहुल गांधी और उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी को अपनी गिरती राजनीतिक भाषा पर आत्ममंथन की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि जनता उनके कुत्सित विचारों को कभी स्वीकार नहीं करेगी। वहीं, कानपुर की हालिया घटना पर सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए पाठक ने आश्वस्त किया कि मामले की उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए गए हैं और पीड़ित पक्ष को हर हाल में न्याय सुनिश्चित कराया जाएगा। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक महानगर में लगभग पांच घंटे रहेंगे। इस दौरान जिला अस्पताल, हनुमान वाटिका, संविधान पार्क का निरीक्षण करने के अलावा बुद्धि विहार स्थित व्हाइट हाउस में आयोजित भाजपा महानगर के प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने तथा सरकार की चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। शाम पांच बजे वह अमरोहा के लिए रवाना हो जाएंगे। जहां जनप्रतिनिधियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में भाग लेने के बाद गजरौला जुबिलेंट इन्ग्रेविया कंपनी के गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे।

छत पर रखा सिलिंडर गर्मी से फटा, 100 मीटर दूर तक गिरे टुकड़े, दीवारों में दरारें; ब्लास्ट का एक कारण ये भी

मुरादाबाद में गर्मी की तपिश से मकान की तीसरी मंजिल की छत पर रखा गैस सिलिंडर फट गया। सिलिंडर के टुकड़े 100 मीटर दूर जा गिरे। आस-पड़ोस के कई मकानों की दीवारों में दरारें आ गईं। तेज धमाके और धुआं से इलाके में दहशत फैल गई।मुरादाबाद शहर की बेहद घनी आबादी वाले लालबाग में शनिवार की दोपहर मकान की तीसरी मंजिल की छत पर रखा गैस सिलिंडर गर्मी के चलते फट गया। उस वक्त पारा 40 डिग्री के पार था और पास में लगी एसी की आउटडोर यूनिट की तपिश सिलिंडर झेल नहीं पाया। सिलिंडर के टुकड़े 100 मीटर दूर तक जाकर गिरे। आस-पड़ोस के कई मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं। तेज धमाके और धुआं होने से लोग सहम गए।

मुगलपुरा थाना क्षेत्र के लालबाग कहारों वाले मंदिर के पास गली नंबर एक में मो. इमरान का तीन मंजिला मकान है। मो. इमरान का डिश केबल का काम करते हैं। शुक्रवार की रात उनके घर मेहमान आए थे। गर्मी होने के कारण मेहमानों के लिए मकान की छत पर खाना बनाया गया था। खाना खाने के बाद मेहमान अपने घर चले गए थे और मो. इमरान के परिजन छत पर ही गैस सिलिंडर व अन्य सामान छोड़कर सो गए थे। जिस जगह सिलिंडर रखा था, उसके पास ही एसी की आउटडोर यूनिट लगी थी। 100 मीटर दूर तक गिरे टुकड़े- मो. इमरान और उनके परिजनों का कहना है कि शनिवार की दोपहर करीब एक बजे भीषण गर्मी और एसी की आउटडोर यूनिट की तपिश के कारण गैस सिलिंडर तेज आवाज के साथ फट गया। दीवार तोड़ते हुए सिलिंडर के टुकड़े दूसरे मकानों की छतों तक पहुंच गए। करीब 100 मीटर दूर तक टुकड़े गिरे और ईंटें हवा में उछल गईं।सिलिंडर के टुकड़े से पड़ोसी दीपक दिवाकर के मकान की छत पर रखी पानी की टंकी फट गई। दूसरे पड़ोसी कलुआ के मकान की छत पर भी टुकड़े गिरे। गौरव दिवाकर, रितिक के मकान में दरारें पड़ गईं।गनीमत रही कि उस वक्त गर्मी होने के कारण छतों और गलियों में लोग मौजूद नहीं थे। वरना बड़ा हादसा हो सकता था। तेज धमाके की आवाज सुनकर लोग अपने घरों से बाहर निकले तो वह नजारा देखकर सहम गए।हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राजीव कुमार पांडेय ने बताया कि गैस सिलिंडर छत पर रखा था। बराबर में एसी की आउटडोर यूनिट लगी थी। धूप और यूनिट की तपिश से सिलिंडर फटने की बात सामने आई है। कोई जनहानि नहीं हुई है।बाइक और गाड़ी लेकर मौके पर पहुंचे कर्मचारी- सीएफओ राजीव कुमार पांडेय ने बताया कि जिस जगह हादसा हुआ था वहां गाड़ी पहुंचना मुश्किल था। इसलिए वहां एक बाइक भी भेजी गई थी। हालांकि ब्लास्ट होने से आग नहीं लगी थी। टीम मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर वापस आ गई।कुछ देर तक तो समझ नहीं पाए कि हुआ क्या छत पर रखे सिलिंडर में अचानक हुए ब्लास्ट के बाद कुछ देर तो लोग समझ नहीं पाए हुआ क्या। लाल बाग में रहने वाले गौरव, दीपक और राजेश, मो. फुरकान का कहना है कि तेज गर्मी के कारण अधिकांश लोग अपने घरों में मौजूद थे। दोपहर करीब एक बजे अचानक धमाका हो गया। धमाका छत पर हुआ था। जिस कारण कुछ समझ नहीं आया। छतों पर ईंट और सिलिंडर के टुकड़े पड़े थे।छत पर धमाका होने से अलर्ट हुआ खुफिया विभाग

मुगलपुरा क्षेत्र में एक मकान की छत पर धमाका होने से सोशल मीडिया पर तरह-तरह की सूचनाएं चलने लगीं। जिसके बाद पुलिस और खुफिया विभाग अलर्ट हो गया। पुलिस और एलआईयू की टीम ने भी मौके पर जाकर पड़ताल की और लोगों के बयान दर्ज किए। इसके बाद साफ हुआ कि सिलिंडर में धमाका हुआ था।गर्मी में बरतें सावधानी- मुख्य अग्निशमन अधिकारी डॉ. राजीव कुमार पांडेय का कहना है कि एलपीजी सिलिंडर को हमेशा ठंडी, हवादार और छायादार जगह पर सीधा करके रखें। सिलिंडर को धूप, गर्मी देने वाले उपकरणों के पास न रखें। यदि रात में छत या खुले जगह पर गैस सिलिंडर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो धूप आने से पहले उसे वहां से हटा लें। हीट ज्यादा होने से सिलिंडर में धमाका हो सकता है।

करंट लगाया और जहर देकर किया कत्ल, पत्नी और साली ने अपने प्रेमियों संग पति को क्रूरता से मार डाला

मुरादाबाद में फर्मकर्मी पवन कुमार ठाकुर ने आत्महत्या नहीं की, उसकी हत्या की गई थी। पति और साली ने अपने प्रेमियों के साथ मिलकर पवन को करंट लगाया और जहर देकर मार डाला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुए खुलासे के बाद आरोपी की साजिश का पर्दाफाश हुआ।मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के कुंदनपुर में शनिवार की रात फर्मकर्मी पवन कुमार ठाकुर (30) को उसकी पत्नी आंचल और साली शिखा ने घर में ही बंधक बना लिया। इसके बाद दोनों बहनों ने अपने अपने प्रेमी बुला लिए और पवन को बिजली का करंट लगाया और बाद में जबरन जहर खिलाकर मौत के घाट उतार दिया। इतना ही नहीं हत्यारोपियों ने पवन द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात कहकर परिजन बुला लिए। शनिवार की शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में करंट लगाने की पुष्टि हुई तो हत्याकांड का खुलासा हुआ। पुलिस ने दोनों बहनों और उसके प्रेमियों को हिरासत में ले लिया है।एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मैनाठेर के बगी गोधनपुर निवासी पवन कुमार ठाकुर मझोला थाना क्षेत्र में कुंदनपुर में कृषि विभाग कार्यालय के पास रहता था। पवन फर्म में काम करता था। परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी छह साल पहले संभल जिले के हजरतनगर गढ़ी के बटौवा गांव निवासी आंचल के साथ हुई थी। दंपती की दो वर्षीय बेटी दिव्यांशी है। पवन पत्नी आंचल और बेटी दिव्यांशी के साथ रहता था। शनिवार की सुबह आंचल ने पवन की बहन अनीता और बबीता को कॉल की और बताया कि पवन ने कुछ खा लिया है। वह बोल नहीं रहे हैं।डॉक्टरों ने पवन को घोषित किया मृत- इसकी जानकारी मिलने पर दोनों बहनें ओर अन्य परिजन भी आ गए। इसकी जानकारी मिलने पर चौधरी चरण सिंह चौक के पास रहने वाले पवन के भाई एवं बिजली विभाग में लाइनमैन देवेंद्र कुमार भी आ गए। वह पवन को अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने पवन को मृत घोषित कर दिया। पवन की बहनों और पुलिस ने आंचल से जानकारी की तो वह जवाब देने से बचती नजर आती रही । इसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। शनिवार की शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पवन की मौत जहर के सेवन से आई लेकिन उसके शरीर पर जगह जगह बिजली का करंट लगाए जाने की पुष्टि हुई। पति के तहेरे भाई के बेटे से अफेयर - इसके बाद पुलिस ने आंचल को हिरासत में ले लिया। उससे पूछताछ की तो उसने शुरुआत में पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की लेकिन जब कड़ाई से पूछताछ की तो उसने सच्चाई उगल दी। उसने पुलिस को बताया कि करीब दो साल से उसका पवन के तहेरे भाई के बेटे अंकित से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों बहनों ने अपने प्रेमियों संग बनाई हत्या की योजना- करीब छह माह पहले पवन को इसकी जानकारी हो गई थी। पवन ने दोनों के साथ मारपीट भी की थी लेकिन आंचल और अंकित ने मिलना जुलना बंद नहीं किया। शुक्रवार को आंचल ने प्रेमी अंकित, अपनी बहन शिखा और उसके प्रेमी जयंतीपुर निवासी अजय दिवाकर के साथ मिलकर पवन की हत्या की योजना बना ली थी। शुक्रवार की शाम पवन फर्म से वापस आया तो पत्नी ने उसके साथ विवाद शुरू कर दिया। इसके बाद आंचल ने अपनी बहन की मदद से पवन को बंधक बना लिया। फिर दोनों बहनों ने अपने अपने प्रेमी घर बुला लिए थे।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में बिजली कटौती से हाहाकार, चक्कर की मिलक में फूटा लोगों का गुस्सा, तीन दिन से पानी को तरसे

भीषण गर्मी के बीच महानगर में बिजली व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। कई इलाकों में चार से पांच घंटे तक कटौती और लगातार ट्रिपिंग से लोग परेशान रहे। चक्कर की मिलक में तीन दिन से बिजली-पानी संकट पर लोगों ने प्रदर्शन किया।चढ़ते पारे के साथ ही महानगर की बिजली व्यवस्था भी ध्वस्त होती जा रही है। शनिवार को पारा 41 डिग्री के पार रहा। महानगर के सिविल लाइन क्षेत्र सहित अधिकतर इलाकों में बिजली को लेकर हाहाकार मचा रहा। अधिकतर क्षेत्रों में चार से पांच घंटे की कटौती की गई। चक्कर की मिलक में तीन दिन से बिजली नहीं आने से पेयजल को लेकर भी लोगों को गुस्सा फूट पड़ा।यहां के लोगों ने बिजली-पानी के संकट के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। महानगर के सिविल लाइन क्षेत्र में भी सुबह 11 बजे बिजली कट गई। यहां डीएम आवास, हिमगिरी कॉलोनी, नवीन नगर, अवंतिका, दीनदयाल नगर, हरथला में बिजली आपूर्ति रही ठप। गंज बाजार, टाउन हॉल, अमरोहा गेट, रेती मोहल्ला और मंडी चौक में हर आधे घंटे में बिजली की ट्रिपिंग होती रही।दोपहर बाद तीन बजे तक हाहाकार मचा रहा। बिजली अधिकारियों ने फोन ही नहीं उठाए। निगम के वार्ड-25 में करीब 600 घरों वाली चक्कर की मिलक में तीन दिन से समस्या है। हर दस मिनट से बीस मिनट की आपूर्ति के बाद तीन से चार घंटे की कटौती की जा रही है।जिसके कारण भीषण गर्मी में लोगों का जीना दुश्वार हो रहा है। बिजली नहीं होने के कारण यहां के लोगों को पीने के पानी की आपूर्ति भी नहीं मिल सकी। शनिवार को मोहल्ले में इंडिया मार्का हैंडपंप पर पानी भरने के लिए लाइन लगी दिखाई दी। जबकि यह हैंडपंप भी गंदा पानी दे रहे हैं। यह पानी सिर्फ कपड़े धोने के काम आ रहा है, पीने का पानी लोग खरीदने को विवश हैं। तीसरे दिन भी बिजली न मिल पाने के कारण लोगों को गुस्सा फूट पड़ा, उन्होंने बिजली निगम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसके अलावा बुद्धि विहार से लेकर विभिन्न इलाकों में बिजली की जबरदस्त कटौती से लोग का हाल बेहाल रहा।शॉर्ट सर्किट से जलकर केबल नीचे गिरा- नगर के वार्ड-सात में पुराना आरटीओ कार्यालय के सामने मुख्य सड़क पर शनिवार की सुबह 11 बजे मेनलाइन में शॉर्ट सर्किट के कारण एक केबल जलकर गिर गया। गनीमत रही कोई हादसा नहीं हुआ। जिसके कारण डीआईजी कार्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों की बिजली ठप हो गई। करीब एक घंटे बाद बिजली कर्मियों ने केबल को दोबारा ठीक किया।चक्कर की मिलक में एबीसी केबल जल गया था। सुबह से केबल बदला जा रहा है। नवीन नगर में ट्रांसफार्मर का फ्यूज उड़ गया था, जिसे ठीक करा दिया गया। अन्य स्थानों पर छोटे-छोटे फॉल्ट हुए हैं। टीमें इन्हें ठीक करने में जुटी हैं। किसी बड़े फॉल्ट की सूचना अभी तक नहीं है।विकास दीप, अधिशासी अभियंतामहानगर में पारकर रोड सहित कई कॉलोनियों में पिछले दो दिनों से बिजली की जबरदस्त कटौती की जा रही है। जिससे लोगों को भारी दिक्कत हो रही है। मोहम्मद नबी, बिजली सुबह से ही कट जाती है और रातभर आती-जाती रहती है। जिसके कारण लोगों की नींद पूरी नहीं हो रही है, उनके स्वभाव में परिवर्तन आने लगा है। संजीव कुमार, सबसे बड़ी समस्या है कि बिजली विभाग के अधिकारी कर्मचारी फोन नहीं उठाते हैं। जिससे कटौती के दौरान यह जानकारी नहीं हो पाती है कि बिजली कब तक आएगी। सुमनचक्कर की मिलक में तीन दिन से बिजली नहीं रुक रही है। जिसके कारण न तो लोग रात को सो पा रहे हैं और न ही पानी मिल पा रहा है। जिससे भारी दिक्कत है। लीलावती, चक्कर की मिलक में तो पहले से ही गंदे पानी की समस्या है। अब बिजली भी नहीं मिल पा रही है, जिसके कारण लोगों का जीना दुश्वार है। जगतिया, वार्ड-25 का बहुत बुरा हाल है। यहां पर शुद्ध पेयजल तो लंबे समय से नहीं मिल रहा है। अधिकतर लोग सबमर्सिबल से पानी लेते हैं, बिजली न होने से वह भी ठप है। मुकेश देवी, चक्कर की मिलक में 25 रुपये प्रति गैलेन पीने और खाना बनाने के लिए पानी खरीद रहे हैं। हैंडपंप के पानी से तो सिर्फ कपड़े धोने का काम लिया जाता है। अमित कुमार, हर बार बिजली निगम के लोग दावा करते हैं कि ट्रांसफार्मर की क्षमतावृद्धि हो रही है। केबल बदले जा रहे हैं। इसके लिए बिजली कटौती भी करते हैं लेकिन समस्या फिर भी हल नही होती। लाखन सिंह ,सभी को पता है कि गर्मियों में लोड बढ़ जाता है। दावा भी व्यवस्था में सुधार का किया जाता है लेकिन जब भी गर्मी पड़ती है तो सभी व्यवस्थाएं ध्वस्त हो जाती हैं। एवज, बिजली निगम को आबादी के अनुसार ट्रांसफार्मर रखने चाहिए। नगर निगम को भी कम से कम पेयजल की आपूर्ति तो बरकरार रखनी चाहिए। रेखा, भयंकर गर्मी के बीच पानी न मिलने से लोग नहा भी नहीं पाते। फिर भी अधिकारी नहीं सुन रहे हैं। भानु

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बरेली से दिल्ली हवाई सफर को एक जुलाई से शुरू होगी नई उड़ान

क्यूँ न लिखूँ सच/रिपोर्ट ब्यूरो/ बरेली। दो जुलाई से बरेली से जेवर एयरपोर्ट के लिए इंडिगो विमान सेवा प्रारंभ करने जा रही है। नागर विमानन महानिदेशालय से अनुमति मिलने के बाद कंपनी ने उड़ान की समय सारिणी जारी कर दी है।

अथॉरिटी अफसरों के अनुसार, बरेली एयरपोर्ट से दिल्ली एयरपोर्ट के लिए इंडिगो (78-सीटर एटीआर विमान) की उड़ान अपरान्ह 3 बजे शुरू होगी। यह उड़ान 4 बजकर 5 मिनट पर दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचेगी। इसी तरह, दिल्ली से बरेली के लिए एक बजकर 35 मिनट पर उड़ान शुरू होगी, जो अपरान्ह 2 बजकर 35 मिनट पर पहुंचेगी।

बरेली से जेवर एयरपोर्ट तक उड़ान 12 बजकर 5 मिनट पर शुरू होगी, जो अपरान्ह एक बजे पहुंचेगी।

जेवर के लिए उड़ान का शेड्यूल जेवर से बरेली के लिए उड़ान 10 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगी, जो 11 बजकर 20 मिनट पर बरेली पहुंचेगी। इस यात्रा के शुरू होने से बरेली मंडल क्षेत्र में रह रहे लोगों के साथ ही यहां के व्यापारियों व उद्यमियों को लाभ हो सकेगा। वर्तमान में यहां के लोग रेलवे व परिवहन निगम की बसों के जरिये यात्रा करते हैं। यात्रा में अधिक समय लगता है। हवाई सेवा शुरू होने से यात्रा में समय की बचत होगी। बरेली एयरपोर्ट के निदेशक अवधेश अग्रवाल ने बताया कि डीजीसीए से अनुमति मिलने के बाद हवाई सेवा शुरू करने का फैसला लिया गया है।

23 केंद्रों पर यूपीएससी परीक्षा, गहरे सवालों में उलझे अभ्यर्थी

क्यूँ न लिखूँ सच/रिपोर्ट ब्यूरो/ बरेली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रारंभिक परीक्षा रविवार को जिले के 23 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आयोजित की गई। परीक्षा में कुल 9161 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। सुबह की पाली खत्म होने के बाद परीक्षा केंद्रों से बाहर निकले अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र को मुश्किल बताया।

गहरे सवालों ने उलझाया अभ्यर्थियों के मुताबिक इस बार अधिकांश प्रश्न सीधे न पूछकर गहराई से पूछे गए थे, जिससे उत्तर चुनने में काफी समय लगा। परीक्षार्थियों ने बताया कि इतिहास, राजनीति, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था से जुड़े प्रश्नों में अवधारणात्मक समझ की जांच की गई। करंट अफेयर्स के सवाल भी सामान्य घटनाओं तक सीमित न रहकर उनके व्यापक प्रभाव और पृष्ठभूमि से जुड़े हुए थे। कई अभ्यर्थियों ने कहा कि प्रश्नपत्र में तथ्यों के साथ विश्लेषणात्मक क्षमता पर अधिक जोर दिखाई दिया।

कड़ी निगरानी के बीच परीक्षा परीक्षा केंद्रों पर सुबह से ही अभ्यर्थियों की भीड़ रही। प्रशासन की ओर से सुरक्षा और निगरानी के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। केंद्रों पर प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की गहन जांच की गई। परीक्षा के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की भी तैनाती रही।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

खूनी संघर्ष में गोलियां से दहला जाम खजूर गांव, चार भाई घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/रिपोर्ट ब्यूरो/ बरेली। बहेड़ी थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत जाम खजूर में खेत की मेड़ के विवाद में दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। कहासुनी के बाद दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और अचानक फायरिंग शुरू हो गई। गोली लगने से एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और तनाव का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया।

खुले में न करें कुर्बानी, साफ-सफाई का रखें विशेष ध्यान: प्रशासनिक अधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ आगामी ईद-उल-अजहा (बकरीद) के त्योहार को क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और आपसी सौहार्द के साथ संपन्न कराने के लिए पूरनपुर कोतवाली परिसर में एक महत्वपूर्ण पीस मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता

उपजिलाधिकारी अजीत प्रताप सिंह ने की। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों और धर्मगुरुओं से संवाद कर त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की। बैठक के दौरान स्थानीय नागरिको ने नगर पालिका देहात क्षेत्र क्षेत्र की जनसमस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने विशेष रूप से ब्लॉक रोड की जर्जर स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया और त्योहार के मद्देनजर उक्त मार्ग सहित पूरे नगर में मुकम्मल साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। धार्मिक मामलों और त्योहार की संवेदनशीलता पर बात करते हुए हाफिज नूर अहमद अजहरी ने कुर्बानी के नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने समुदाय के लोगों से अपील करते हुए कहा कि, शासन और मजहबी गाइडलाइंस के अनुसार किसी भी हाल में कुर्बानी खुले में न की जाए। उन्होंने प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी न करने और अवशेषों को सुरक्षित तरीके से निस्तारित करने पर जोर दिया क्षेत्राधिकारी प्रतीक दहिया और कोतवाल पवन कुमार पांडे ने सुरक्षा व्यवस्था का भरोसा दिलाते हुए कहा कि त्योहार के दौरान हुड़दंग करने वालों और सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। पुलिस बल क्षेत्र में लगातार गश्त करेगा। बैठक में मुख्य रूप से हाफिज असलम नूरी, हाफिज अरशद खान, हाजी रियाजत नूर खान, सैफ रजा मोन्टू, तकी खान, जावेद खान,अमानत खां,नूरुल खा ताज मोहम्मद और हाजी फैयाज अहमद सहित भारी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोग और जिम्मेदार नागरिक मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में प्रशासन को शांति व्यवस्था बनाए रखने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

फर्जीवाड़ा कर बैंक से लोन लेने के आरोपी पिता-पुत्र गिरफ्तार , चार लग्जरी कार बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच/रिपोर्ट ब्यूरो/ बरेली। बारादरी थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज बनाकर बैंकों से कार लोन लेने वाले बड़े गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चार लग्जरी कार और फर्जी दस्तावेज बरामद हुए हैं। इस मामले में बैंक कर्मचारियों की मिलीभगत भी सामने आई है, जांच में उनके खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है। थाना बारादरी प्रभारी विजेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस को रात में सूचना मिली थी कि 99 बीघा मैदान पर फर्जी लोन से

निकाली गाड़ियां बेचने की तैयारी हो रही है। इस पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर मोहम्मद शमी उर्फ शेरा और उसके बेटे मोहम्मद सैराब को मौके से गिरफ्तार किया। मौके पर चार महंगी गाड़ियां मिलीं।

आरोपियों के पास से फर्जी आय प्रमाणपत्र और निवास प्रमाणपत्र भी बरामद हुए। पूछताछ में सैराब ने बताया कि वह अपने पिता और बैंक कर्मचारी रविंद्र कुमार निश्छल के साथ मिलकर काम करता था। वे फर्जी दस्तावेज तैयार कर बैंकों से कार लोन पास कराते थे। आरोपियों ने अब तक सात गाड़ियां फर्जी तरीके से निकाली थीं। इनमें से कई गाड़ियां दूसरे राज्यों में बेची जा चुकी हैं।

रंजिश में युवक की कनपटी में मारी गोली, हालत नाजुक : छह आरोपियों पर रिपोर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच/रिपोर्ट ब्यूरो/ बरेली। कैंट थाना क्षेत्र के मिर्जापुर गांव में शनिवार रात एक युवक को गोली मार दी गई। गंभीर रूप से घायल युवक प्राथमिक स्कूल में पड़ा मिला। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है,

जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने घायल की मां की तहरीर पर छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस जांच में कारोबार की रंजिश होने की बात सामने आई है।

कैंट इंस्पेक्टर संजय धीर ने बताया कि 25 वर्षीय जयवीर कश्यप प्राथमिक स्कूल में रात के वक्त घायल अवस्था में मिला। उसकी मां ओम कुमारी ने सरवन, प्रेमपाल, सुनील उर्फ बब्लू, अंशु, दीपक और पंकज के खिलाफ तहरीर दी है। शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे जयवीर खाना खाकर टहलने निकला था। गांव के प्राइमरी स्कूल के पीछे खेत पर पहुंचने पर आरोपियों ने उसे घेर लिया। आरोप है कि सरवन ने तमंचे से जयवीर की कनपटी पर गोली मार दी। गोली लगने से जयवीर गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। शोर सुनकर ग्रामीण और परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। घायल जयवीर को कई अस्पतालों ने इलाज से मना कर दिया,

इसके बाद उसे निजी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया।

दोनों ओर से कई मामले दर्ज इंस्पेक्टर के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच पहले से कई मामले दर्ज चल रहे हैं। घायल जयवीर और उसके चचेरे भाई राजकरण का आरोपियों के साथ क्रॉकरी व टेंट का साझा कारोबार था। इस कारोबार में विवाद होने के बाद साझेदारी खत्म हो गई। ग्राहकों को तोड़ने को लेकर भी दोनों पक्षों में पूर्व में झगड़े हुए थे। उपनिरीक्षक राकेश कुमार मामले की विवेचना कर रहे हैं।

बरेली की 20 सुंदरियो को पछाड़कर जीता खिताब, आद्या सिंह के सिर सजा ताज

क्यूँ न लिखूँ सच/रिपोर्ट ब्यूरो/ बरेली। प्रतिष्ठित बरेली क्लब में आयोजित मे क्वीन 2026 बॉल प्रतियोगिता में आर्मी अफसर की बेटी आद्या सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता के अंतिम चरण में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, हालांकि आद्या सिंह अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास से मुकाबले में नंबर-1 साबित हुईं।20 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा शनिवार रात बरेली क्लब में संपन्न 'मे क्वीन प्रतियोगिता' में सौंदर्य और प्रतिभा का गजब

संगम देखने को मिला। आयोजन में 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। शुरुआत परिचय और आकर्षक रैंप वॉक से हुई। टैलेंट राउंड में प्रतिभागियों ने भारतीय गीत, शास्त्रीय नृत्य और कविता प्रस्तुति देकर खूब सराहना बटोरी। चीफ ऑब्जर्वर्स बिनवंत जीत कौर, कुमुद शेखावत और सनी चावला रहीं। जज पैनल की भूमिका प्रिया अग्रवाल, रेणु सिंह, अर्चना चौधरी, सागरिका साहू, मोनिका बांदी, मेजर सपना कुकरेती (सेवानिवृत्त) और मीनाक्षी खंडेलवाल ने बखूबी निभाई।

जैन मंदिर में स्थायी नि:शुल्क स्वास्थ्य महाशिविर की तैयारी

क्यूँ न लिखूँ सच/रिपोर्ट ब्यूरो/ बरेली। शहर में पहली बार स्थायी नि:शुल्क स्वास्थ्य महाशिविर शुरू करने की तैयारी को लेकर श्री महावीर निर्वाण समिति की ओर से रामपुर गार्डन स्थित जैन मंदिर में वरिष्ठ एवं सेवाभावी चिकित्सकों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य शिविर की रूपरेखा और संचालन रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। मीडिया प्रभारी सौरभ जैन ने बताया कि उद्देश्य सरकारी अस्पतालों जैसे खर्च में निजी अस्पतालों जैसी सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराना है। प्रस्तावित वातानुकूलित स्वास्थ्य महाशिविर में दो दर्जन से अधिक बीमारियों के विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे। शिविर को प्रत्येक माह के दूसरे और चौथे रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक संचालित करने की योजना बनाई जा रही है। समिति के मंत्री एवं शिविर मार्गदर्शक सत्येंद्र जैन एडवोकेट ने बताया कि एलोपैथिक, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धतियों की सेवाएं भी उपलब्ध कराने पर विचार किया जा रहा है। साथ ही पेटेंट दवाओं पर 25 से 50 प्रतिशत तथा पैथोलॉजी व जांच केंद्रों पर जांच में 50 प्रतिशत तक छूट देने की संभावना पर भी चर्चा हुई। बैठक में शहर के अनेक वरिष्ठ चिकित्सकों व समिति पदाधिकारियों ने सुझाव दिए। अंत में केल्विन नेचुरल मिंट प्रा. लि. के प्रबंधक मनीष जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बरेली में बना बचपन डे केयर सेंटर दिव्यांगजन बच्चों का स्कूल थेरेपी सेंटर

क्यूँ न लिखूँ सच/रिपोर्ट ब्यूरो/ ? बरेली। संकेत विद्यालय परिसर में बचपन डे केयर सेंटर दिव्यांगजन बच्चों के स्कूल का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। इसमें बरेली व अन्य जिलों के दिव्यांगजन बच्चे एवं मानसिक मंदित बच्चे शिक्षा और स्वास्थ्य लाभ ग्रहण कर सकेंगे। दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग द्वारा बनवाए गए इस आधुनिक बचपन दे केयर सेंटर को सभी आधुनिक सुविधाओं से पूर्ण किया गया है। इस तीन से त मनजिला भवन बरेली ही नहीं बल्कि अन्य जिलों के दिव्यांग एवं मानसिक मंडित बच्चे शिक्षा एवं स्वास्थय लाभ ले सकेंगे। यह जानकारी कार्यदायी संस्था सीएनडीएस के अवर अभियंता कुलदीप कुमार ने दी उन्होंने बताया इस भव्य तीन मंजिला इमारत में भूतल पर दो क्लासरूम, एक कार्यालय रूम, एक इंचार्ज रूम, एक वेटिंग

रूम के अलावा बालक और बालिकाओं के अलग-अलग टॉयलेट बनाए गए हैं । इसी प्रकार प्रथम स्थल पर चार क्लास रूम बनाए गए हैं। बरेली साकेत विद्यालय में बचपन डे केयर सेंटर दिव्यांगजन बच्चों का स्कूल का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। इसमें बरेली व अन्य जिलों के दिव्यांगजन बच्चे एवं मानसिक बच्चे शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। शक्तिकरण विभाग द्वारा बनवाए गए इसको आधुनिक सुविधाओं से पूर्ण किया गया है। इस तीन से तीन में जिला बनाया गया है जिसमें बरेली ही नहीं भारती अन्य लोगों के बच्चे की स्थान से बच्चे भी शिक्षा ग्रहण करते हुए जानकारी संस्था सीएमडीएस के अवर अभियंता कुलदीप कुमार ने दी। उन्होंने बताया इस तीन मंजिला इमारत में भूतल पर दो क्लासरूम, एक कार्यालय, एक इंचार्ज रूम, एक वेटिंग एरिया, बालक बालिकाओं के अलग-अलग टॉयलेट बनाए गए हैं । इसी प्रकार प्रथम तल पर चार क्लास में बनाए गए हैं। जिसमें मेडिकल रूम, स्टाफ रूम, स्टोर एंड टॉयलेट बनाए गए हैं । यहां भी सभी सुविधाओं से पूर्ण हैं। वहीं द्वितीय तल पर दो क्लासरूम, एक एंटरटेनमेंट रूम, एक थेरेपी रूम, दो टॉयलेट और रेम्प भी बनाए गए हैं। इस केंद्र का निर्माण की अनुमानित लागत 508 करोड़ 43 लाख स्वीकृत की गई है। इस आधुनिक सेंटर का निर्माण बरेली सीएनडीएस विभाग ने कराया है। विभाग के अधिशाषी अभियंता आर राम का कहना है कि इसका निर्माण कार्य सामयवधि में पूरा कर लिया गया है। इस भवन की फिनिशिंग में दो भाग दो माह का समय और लग सकता है। इसके बाद प्रशाशिकय दिव्यांगजन विभाग को हैंड ओवर कर दिया जाएगा।डकल रूम स्टाफ रूम स्टोर एंड टॉयलेट बनाए गए हैं यहां भी सभी सुविधाओं से सूचित किया गया है तृतीय मंदिर पर दो क्लासरूम एक एंटरटेनमेंट रूम एक थेरेपी रूम एवं टॉयलेट भी बनाए गए हैं ।

सैयद बाबा का उर्स बड़े हर्षोल्लाह से मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ पीलीभीत के अमरिया तहसील के भरा पचपेड़ा मे दो दिवसीय उर्स का आज प्रारम्भ हुआ बड़ी ही धूम धाम से सैयद बाबा के मजार पर चादर एवं बड़ी ही तादात मे चढ़ाया गया सभी के मुताविक मनोकामना पूर्ण होने पर किया द्य सैयद बाबा का उर्स हर वर्ष तादात मे अकीदतमंद की भीड़ लगी धर्म के लोग सामूहिक रूप से सुबह तक लंगर एवं प्याऊ की व्यवस्था अफसरअली ने बताया की उर्स मे भूमिका होती है द्य उर्स में शांति उपलक्ष्य में अमरिया पुलिस के चौकी

प्रसाद का चढ़ावा भक्तो द्वारा भक्तो ने अपनी- अपनी मन्नतो प्रसाद एवं चादर का चढ़ावा की भाति इस वर्ष भी बड़ी ही रही,सैयद बाबा के उर्स मे सभी 9 बजे से लेकर शाम 4 बजे रहा द्य सैयद बाबा के सेवादार सिख धर्म के लोगों की अहम व्यवस्था बनाए रखने के बिरहनी प्रभारी अजय तिवारी,शैलेन्द्र प्रताप सिंह, दीक्षा,मनु, राकेश कुमार, हर्ष शर्मा ,प्रवीन बालियान मय फोर्स के साथ तैनात रहे, क्षेत्रीय लेखपाल बिपिन कुमार, भक्तो मे गुरजीत सिंह, प्रताप सिंह, बलवीर सिंह, मो सादान, साहब सिंह, बब्बू, संजोत सिंह, गंगाराम, रशपाल सिंह, डॉ रफीक, सर्वजीत सिंह, मुख्तियार अहमद, फैजान, मेहंदी हसन, आरिफ अली आदि हजारों की तादाद में भक्त मौजूद रहे,

हाथ कटने का मामला: अब दोबारा होगी जांच, ITBP के अफसर भी होंगे शामिल, पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह ने कही ये बात

आईटीबीपी जवान की मां के साथ हुई चिकित्सा लापरवाही के मामले की जांच अब नए सिरे से होगी, जिसमें आईटीबीपी के अधिकारी भी शामिल होंगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दोनों अस्पतालों के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कर लिए हैं और लापरवाही के हर पहलू की गहन जांच की जा रही है।कानपुर में आईटीबीपी के जवान विकास सिंह की मां निर्मला देवी के हाथ कटने के मामले की जांच रिपोर्ट पर पक्षपाती होने का आरोप लगा है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने दोबारा जांच करने पर हामी भरी है। इसमें आईटीबीपी के अधिकारी भी शामिल रहेंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी ने बताया कि हमारी रिपोर्ट तथ्यों के आधार पर पारदर्शिता के साथ तैयार कर पुलिस कमिश्नर को सौंपी गई। अब उस रिपोर्ट से संबंधित आईटीबीपी और पुलिस के अधिकारियों के अपने सवाल है जिसे लेकर हम दोबारा जांच करेंगे। पुलिस कमिश्नर ने इस मामले में जांच कमेटी में शामिल होने के लिए एक अधिकारी को भी नामित कर दिया है जो डॉक्टरों की टीम के साथ बैठकर जांचों और बयानों की विवेचना करेगा। वहीं, जांच कमेटी के सदस्यों का कहना है कि जांच पूरी तरह पारदर्शिता के साथ की गई है। महिला हृदय रोगी है। उसके हाथ की नसों में ब्लॉकेज से हाथ काटा गया है।हिस्टोपैथोलॉजी से स्थिति होगी साफ-रिपोर्ट में हमने साफ-साफ लिखा है कि दोनों अस्पतालों में देरी के चलते हाथ कटने की आशंका है। नसों में ब्लॉकेज के दो कारण हो सकते हैं। पहला थ्रोम्बोसिस है, जिसमें शरीर के थक्के हृदय की नसों से निकलकर हाथों की नसों आकर फंस जाते हैं। यह प्राकृतिक रूप से होता है। दूसरा कंपार्टमेंट सिंड्रोम है, जिसमें हाथ में दर्द, सूजन होगी जिसे नजरअंदाज किया गया और देरी के चलते ऐसी स्थिति हो गई कि हाथ काटना पड़ा। अब अगर रोगी के कटे हुए हाथ की हिस्टोपैथोलॉजी करा ली जाए, तो स्थिति साफ हो जाएगी।रोगी की टीएमटी की फर्जी रिपोर्ट भेजी गई- जांच कमेटी के अध्यक्ष एसीएमओ डॉ. रमित रस्तोगी ने बताया कि दोनों अस्पतालों से वेरिफाइड दस्तावेज लिए गए और उसकी जांच की गई है। अगर जांच गलत भेजी है तो यह अस्पताल की गलती है। वहीं उन्होंने बताया कि रोगी को हृदय संबंधी दिक्कत थी इसलिए उसका टीएमटी तो हो ही नहीं सकता। ऐसे में ये आरोप निराधार है कि रोगी की टीएमटी की फर्जी रिपोर्ट भेजी गई। उसकी कोई रिपोर्ट नहीं आई है। ईको और डॉप्लर रिपोर्ट हमें मिली थी। इसके अलावा सभी डॉक्टरों और स्टाफ के बयान लिए गए हैं।पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह ने कही ये बात- आईटीबीपी बेहद अनुशासित फोर्स है। उनके अधिकारी पूरी तरह से अनुशासन में रहते हैं। पुलिस कमिश्नर कार्यालय में शनिवार को साथी को न्याय दिलाने में अगर काफी संख्या आईटीबीपी के जवान पहुंच गए तो यह अनुचित है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल और अपर पुलिस आयुक्त डॉ. विपिन ताडा बेहद संवेदनशील अधिकारियों में से हैं। वह अधिकारियों के एक कॉल पर कार्रवाई या जांच के निर्देश कर देते हैं। यह बात पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह ने बातचीत में कही।सेना का जवान परिवार का हिस्सा, दोषियों पर हो कार्रवाई- कहा कि निजी अस्पताल में लापरवाही की वजह आईटीबीपी जवान की मां का हाथ काटा गया। यह बेहद दुखदायी है। इसमें लापरवाही करने वाले के खिलाफ कार्रवाई आवश्यक है। सेना का जवान परिवार के हिस्से की तरह से है। उनको तकलीफ होती है तो हम सभी को तकलीफ होती है। ऐसा हो सकता है कि आईटीबीपी जवान साथी के साथ खड़े होने या उसका हौंसला बढ़ाने के लिए आए हों। इसी को गलत तरीके से देख लिया गया हो। पुलिस और अन्य एजेंसियां मिलकर कार्य करती हैं। उनके बीच बेहतर समन्वय रहता है। कोई बात आती भी है तो वह अधिकारियों के बीच बातचीत से हल हो जाती है।राज्य स्तरीय समिति कर सकती जांच- आईटीबीपी के जवान और उनके अधिकारियों की शिकायत के बाद पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने सीएमओ हरिदत्त नेमी को बुलाया। उनको अस्पष्ट रिपोर्ट पर फटकारा। कहा कि आपको सीधी रिपोर्ट देने के लिए निर्देशित किया गया था लेकिन यह स्पष्ट नहीं है। जांच में अगर कोई दोषी है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति दें। आपके एसीएस से बात हुई थी। आपने उन्हें भी जानकारी नहीं दी है। अगर रिपोर्ट सही नहीं आई तो राज्य स्तरीय समिति से जांच कराई जाएगी। उससे आपकी कमेटी की जांच सामने आ जाएगी। प्रकरण में किसी को बचाने की जरूरत नहीं है। मरीज सांस की समस्या का इलाज कराने गया था। उसके हाथ काटने की नौबत कैसे आ गई। इसकी रिपोर्ट दीजिए। इसमें जो भी दोषी हों उनका नाम बताएं।दोनों अस्पतालों की फुटेज सुरक्षित कराई- पुलिस कमिश्नर ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए शुक्रवार को कृष्णा हॉस्पिटल और पारस हॉस्पिटल के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित कराई गई है। पुलिस के अधिकारी फुटेज से जानकारी जुटा रहे हैं कि महज 12 घंटे में ऐसा क्या हुआ, जिससे आईसीयू में भर्ती आईटीबीपी जवान की मां के हाथ में संक्रमण हो गया। यह इंजेक्शन किसने लगाया और उनको कौन सा डोज दिया गया, इसका पता लगाया जा रहा है।डॉ. विपिन और डॉ. सुमेध को जिम्मेदारी- आईटीबीपी जवान प्रकरण में कोई गड़बड़ी न हो उसके लिए अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था डॉ. विपिन ताडा और कल्याणपुर थाना प्रभारी डॉ. सुमेध जाधव को भी लगाया गया है। दोनों आईपीएस अधिकारियों के पास एमबीबीएस की डिग्री है। उनको मेडिकल टर्म और जांच संबंधित सारी जानकारी रहती है। शनिवार को आईटीबीपी के अधिकारियों से दोनों आईपीएस अधिकारी ने कई घंटे तक चर्चा की। सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी भी मौजूद रहे। आईटीबीपी के एक डॉक्टर ने भी कुछ बिंदुओं पर जांच रिपोर्ट देने के लिए निर्देशित किया है।ये है मामला- कानपुर पुलिस कमिश्नर (सीपी) कार्यालय में शनिवार सुबह आईटीबीपी के 40 से 50 सशस्त्र जवान कमांडेंट के साथ पहुंचे और परिसर को घेरकर चारों तरफ मुस्तैद हो गए। सभी जवान अपने साथी विकास सिंह को न्याय दिलाने के लिए कमिश्नर कार्यालय पहुंचे थे। पीड़ित जवान के साथ आईटीबीपी कमांडेंट ने सीएमओ की संभावित जांच रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए पुलिस कमिश्नर से शिकायत की।करीब तीन घंटे तक बैठक हुई

पुलिस अधिकारियों व सीएमओ के बीच करीब तीन घंटे तक बैठक हुई। नए सिरे से जांच रिपोर्ट तैयार करने पर सहमति बनी। शनिवार सुबह 11 बजे समय लेकर आईटीबीपी कमांडेंट गौरव प्रसाद, सेकेंड कमांडेंट अनुज दीक्षित, लाइजनिंग अफसर अर्पित सिंह कई वाहनों में जवान को लेकर पुलिस कमिश्नर से मिलने दफ्तर पहुंचे। अधिकारी पुलिस कमिश्नर से मिलने चले गए। बंदूकधारी जवानों को परिसर में चारों ओर तैनात देख वहां मौजूद अन्य फरियादी सकते में आ गए।इतने जवानों को लाने की क्या जरूरत थी

पुलिस कमिश्नर ने आईटीबीपी अफसरों को अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था डॉ. विपिन कुमार ताडा के पास भेज दिया। इधर जवानों के परिसर में होने पर पुलिस कमिश्नर ने कमांडेंट को बुलाया और कहा कि सीएमओ की शिकायत करने आए हैं, तो इतने जवानों को लाने की क्या जरूरत थी। इस पर कमांडेंट ने सभी जवानों को बाहर जाने के लिए निर्देशित किया। कुछ देर बाद सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी आए। उनके और पुलिस अधिकारियों के साथ लगभग तीन घंटे तक वार्ता चली।पुलिस कमिश्नर कार्यालय में किसी तरह का कोई घेराव नहीं हुआ। सेना के अफसरों को एस्कॉर्ट मिलता है। कार्यालय में एस्कॉर्ट के जवान थे। विवाद की कोई स्थिति नहीं है। सीएमओ की गठित कमेटी फिर से जांच करेगी। आईटीबीपी के डॉक्टरों ने भी सीएमओ से बातचीत की है। -रघुबीर लाल, पुलिसकमिश्नर, कानपुरकमिश्नर से मिलने आए थे। कोई घेराव नहीं हुआ था। आईटीबीपी के जवान साथी के साथ आए थे। पुलिस की तरफ से पूरा सहयोग मिल रहा है। सीएमओ की गठित कमेटी नए सिरे से जांच करेगी। कमिश्नर ने उनको स्पष्ट रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। -गौरव प्रसाद, कमांडेंट आईटीबीपी

बकरीद को लेकर थाना मटेरा में पीस कमेटी की बैठक, कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील

क्यूँ न लिखूँ सच/ बहराइच- जनपद बहराइच के थाना मटेरा में आज दिनांक 23 मई 2026 को आगामी त्योहार ईद-उल-अजहा (बकरीद) के दृष्टिगत शांति समिति एवं पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व श्रीमान तहसीलदार नानपारा ने किया, जबकि थाना अध्यक्ष हरिकेश सिंह ने क्षेत्र के धर्मगुरुओं, क्षेत्र पंचायत सदस्यों एवं ग्राम प्रधानों के साथ कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की।

बैठक में उच्च अधिकारियों से प्राप्त आदेशों एवं निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। थाना अध्यक्ष हरिकेश सिंह ने कहा कि पुलिस टीम क्षेत्र के चप्पे-चप्पे पर नजर बनाए हुए है तथा त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

उन्होंने सभी लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने एवं प्रशासन का सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि ईद-बकरीद के दौरान यदि कोई व्यक्ति कानून का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत साइकिल रैली का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ ?प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत आयोजित संडे ऑन साइकिल के 75वें संस्करण के उपलक्ष्य में, अमरेंद्र कुमार वरुण, कमांडेंट, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के कुशल नेतृत्व एवं दिशा-निर्देशन में एक भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य फिटनेस, स्वास्थ्य जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को प्रेरित करना तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर गोवर्धन पुजारी, उप कमांडेंट, राहुल भारत माली, सहायक कमांडेंट, अधीनस्थ अधिकारीगण एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया तथा फिट इंडिया मूवमेंट के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुँचाने का संदेश दिया। प्रतिभागियों ने पूरे जोश एवं उमंग के साथ साइकिल रैली में भाग लेकर स्वास्थ्य एवं फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। साइकिल रैली 62वीं वाहिनी परिसर से प्रारंभ होकर स्थानीय बाजार भिनगा से होते हुए खरगोरा मार्ग के रास्ते पुनः वाहिनी परिसर में संपन्न हुई। रैली के दौरान सहायक उपनिरीक्षक, विजय राम द्वारा फिट रहें - देश को फिट बनाएं एवं स्वस्थ भारत, सशक्त भारत जैसे प्रेरणादायक नारों के माध्यम से आमजन को स्वास्थ्य एवं फिटनेस के प्रति जागरूक किया गया। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह, जोश एवं अनुशासन के साथ भाग लिया, जिससे कार्यक्रम में सकारात्मक ऊर्जा एवं जन-जागरूकता का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर कमांडेंट अमरेंद्र कुमार वरुण ने कहा कि स्वस्थ शरीर ही स्वस्थ समाज एवं सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। फिट इंडिया मूवमेंट केवल एक अभियान नहीं, बल्कि नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का राष्ट्रीय प्रयास है। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा नियमित व्यायाम, साइकिलिंग एवं स्वस्थ जीवनशैली को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के संकल्प के साथ किया गया। यह आयोजन फिट इंडिया अभियान के उद्देश्यों को साकार करने की दिशा में 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा की एक प्रेरणादायी एवं सराहनीय पहल सिद्ध हुआ।

सोशल मीडिया पर वायरल मारपीट वीडियो मामले में तीन आरोपी जेल भेजे गए

क्यूँ न लिखूँ सच/अमरीक सिंह/ बहराइच /मटेरा थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर वायरल हुए मारपीट के वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। थाना मटेरा पुलिस ने 36 घंटे के भीतर मुकदमा पंजीकृत कर तीन आरोपियों को न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार वायरल वीडियो मटेरा क्षेत्र के बियाबानी गांव का बताया जा रहा था। मामले में शिकायतकर्ता शाहरुख खान पुत्र मेहंदी हसन निवासी भुजिनपुरवा दाखिला खैराकला थाना नानपारा जनपद बहराइच ने तहरीर देकर बताया कि 22 मई 2026 को दोपहर करीब 12 बजे उनके पिता मेहंदी हसन, माता सावरा, पुत्री हसीना तथा रिश्तेदार आयु पुत्र अब्बास खान और सोहेल पुत्र बेचू ई-रिक्शा से रिश्तेदारी में खसाहत पुरवा जा रहे थे।

आरोप है कि ग्राम बियाबानी के पास पीछे से मोटरसाइकिल से आए लोगों से कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। पुलिस ने मामले में आरोपी गुड्डू पुत्र बटोही निवासी ग्राम सभा बियाबानी पुत्तन पुत्र कल्लन निवासी ग्राम सभा बियाबानी तथा एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। थाना मटेरा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

संक्षिप्त समाचार

अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली को किया सीज

क्यूँ न लिखूँ सच/ ?प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती- मुख्यमंत्री के वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से अवैध खनन के विरूद्ध कार्यवाही

के निर्देश दिये गये थे। उक्त निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग के मार्गदर्शन में जनपद की तीनों तहसीलों में राजस्व विभाग एवं खनन विभागद्वारा लगातार प्रवर्तन की कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत आज तहसील भिनगा के अंतर्गत 04 ट्रैक्टर ट्राली एवं जमुनहा अन्तर्गत 01 ट्रैक्टर-ट्राली अवैध मिट्टी खनन करते हुए पकड़ा गया। मौके पर ट्रैक्टर-ट्राली में मिट्टी लदा हुआ पाया गया। जिसे सीज कर पुलिस अभिरक्षा में सौंप दिया गया है।

विद्युत विभाग के कर्मचारियों अधिकारियों से ग्रामीण जनता त्रस्त

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवशी/ विद्युत मंडल की लोड सीटिंग के नाम पर रोज 5से 8घंटे लाइट कटिंग मिर्जापुर स्टेशन के ग्राम गोसुआ सब स्टेशन पर रोज की जा रहीअवैध

कटौती से परेशान ग्रामीण ने इस विषय पर जब विद्युत मंडल के कर्मचारी से पूछा गया तो उसने ऊपर से लाइट काटने की बात कही लोडसेटिंग का बोला रोज 5से6 घंटे रात में लाइट गोल रहती हे ग्रामीण जन का कहना है यही हालत रही तो उनके बच्चे बीमार पड़ रहे हे। ग्रामीण जनों का कहना है कि विद्युत मंडल की लापरवाही और मनमोहिनी से ग्रामीणों को राहत दिलाई जाए बिजली नहीं तो पानी नहीं कई अन्य समस्याएं पैदा हो रही हैं अगर विद्युत मंडल के यही हालात रहे तो ग्रामीण जन आंदोलन करने मजबूर होंगे।

बच्चे कच्ची मिट्टी के घड़े के समान होते हैं इन्हें जैसा ढालों बैसे बन जाते हैं- संयुक्त कलेक्टर शशि मिश्रा

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवशी/ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय मुखर्जी नगर सेवा केंद्र में चार दिवसीय बच्चों के प्रति राजयोगी समर कैंप का समापन संयुक्त कलेक्टर शशि मिश्रा, एवं अन्य

पदाधिकारीयों कि गरिमामय उपस्थिति के बीच संपन्न हुआ ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी द्वारा बच्चों को सरल और रोचक तरीके से जीवन उपयोगी ज्ञान प्रदान किया गया। साथ ही बच्चों को तनाव मुक्त जीवन जीने और अनुशासित दिनचर्या अपनाने के लिए प्रेरित किया गया एवं बच्चों को मोबाइल व जंक फूड से दूरी बनाने, माता-पिता का सम्मान करने और प्रकृति से जुड़ने के लिए प्रेरित किया ऐसे शिविर बच्चों के भीतर छिपे गुणों को उभारते हैं। रचनात्मकता को नया मंच मिलता है। दीदी ने आगे कहा कि किसी भी बच्चे की कमज़ोरी कभी उसके ख़ुद की वजह से नहीं होती बल्कि वो जो देखता है वो ही बनता है। इसलिए माता पिता बच्चों को बचपन से ही सकारात्मक सोचने की आदत डालें। माता-पिता को बच्चों के लिए आदर्श बनना होगा क्योंकि वे अपने माता-पिता को जो करते देखते हैं उसकी नकल करते हैं। इसमें 8 से 16 साल के बच्चों को मोटिवेशनल वीडियो दिखाए तथा आध्यात्मिक कहानियों के जरिए जीवन मूल्यों की शिक्षा दी गई। कैंप में ड्राइंग और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता सहित अभिभावकों के लिए आध्यात्मिक क्लासेज भी रखी गई। बच्चों ने भारत की सांस्कृतिक विविधता में एकता को प्रदर्शित करने वाले आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति द्वारा भारत के गौरवशाली संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। नाटक के माध्यम से समर कैंप के बच्चों ने इंटरनेट एवं सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों को प्रदर्शित करते हुए सभी को इनके संयमित एवं सकारात्मक उपयोग का संदेश दिया। ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने कहा कि सकारात्मक सोच बच्चों के व्यक्तित्व को मजबूत बनाती है। बच्चे जैसा सोचते हैं, वैसा ही उनका आत्मविश्वास और व्यवहार बनता है। यदि बच्चा हर दिन खुद से कहे कि वह सक्षम और प्रतिभाशाली है तो उसका मन भी उसी दिशा में काम करने लगता है। अच्छे विचार, अच्छी संगति और कृतज्ञता जीवन में नई ऊर्जा लाते हैं। सुबह के सकारात्मक विचार पूरे दिन को बेहतर बना सकते हैं। डर और गुस्से की बजाय प्यार, शांति और मुस्कान को अपनाने वाले बच्चे मानसिक रूप से अधिक मजबूत बनते हैं।

आसमान से बरस रही आग, दिन चैन से गुजरा न रात ! पारा 42 डिग्री के पहुंचा पार

मुरादाबाद । हर दिन तापमान बढ़ने से सूरज आग उगल रहा है। दोपहर में 41 डिग्री सेल्सियस तापमान की भीषण गर्मी में लू के थपेड़ों ने लोगों को झुलसाया।

सड़क पर मानों लपटें निकल रही थी। लू से बचने के लिए सभी प्रयास निरर्थक साबित हो रहे थे। गर्मी और लू ने लोगों को पसीने से लथपथ कर दिया। आने वाले दिनों में तापमान बढ़कर 44 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक होने का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है। लू की मार पड़ रही भारी- भीषण गर्मी और लू की मार जनजीवन पर भारी पड़ रही है। घरों से बाहर निकलने लोगों के द्वारा बचाव के सभी उपाय निरर्थक साबित हो रहे हैं। हेलमेट लगाने के दौरान पसीने से लथपथ होने पर लोग उसे निकालने को मजबूर हो रहे हैं। बाजार में दोपहर में चहल-पहल काफी कम रही। कार्यस्थलों पर भी लोगों की जुबान पर बस ऊफ ये गर्मी के चर्चे थे।

घर, प्रतिष्ठान व कार्य स्थलों पर बिजली गुल होने पर थोड़े ही देर में लोग पसीने से तर-बतर होते रहे। उष्ण हवा के चलते लू ने गर्मी में लोगों को और बेदम कर दिया। राहत के लिए लोगों ने शिकंजी, नारियल पानी, कोल्ड ड्रिंक्स आदि का सेवन किया। बीमारियों शुरू किया घेरना- वहीं दूसरी ओर भीषण गर्मी जहां लोगों की कार्यक्षमता प्रभावित कर रही है, उन्हें बीमार भी बना रही है। तेज धूप व लू लगने से लोगों को चक्कर आने, बुखार, उल्टी दस्त, पेट दर्द, सांस फूलने और डिहाइड्रेशन (निर्जलीकरण) की समस्या बढ़ रही है। जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या अचानक बढ़ने से व्यवस्था प्रभावित हुई। चिल्ड्रेन वार्ड में बीमार बच्चों की संख्या के आगे बेड कम पड़ रहे हैं। पूरी रात गर्मी ने किया बेचैन- शनिवार को अधिकतम तापमान 41 और न्यूनतम 30.6 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमाान भी बढ़ने से पूरी रात लोग गर्मी व पसीने से बेचैन हो रहे हैं। पंखे बेमतलब साबित हो रहे हैं। बिजली गुल होने पर कूलर व एयरकंडीशनर बंद होते ही लोगों की मानों जान निकल जा रही है। बच्चों और बुजुर्गों के साथ हर उम्र के लोग गर्मी से व्याकुल हो रहे हैं। 25 मई को तापमान 42 डिग्री के पार पहुंचने का अनुमान जताया गया है। अभी गर्मी से राहत के आसार नहीं हैं।

कलेक्टर कार्यालय क्षेत्र में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, सांची मिल्क पार्लर सहित कई अतिक्रमण हटाए

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। शहर को स्वच्छ, सुंदर और अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद शिवपुरी द्वारा अतिक्रमण विरोधी अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को नगर पालिका की टीम ने कलेक्टर कार्यालय परिसर के आसपास कार्रवाई करते हुए सांची मिल्क पार्लर सहित कई अस्थायी अतिक्रमणों को हटाया। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अर्पित वर्मा के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई का उद्देश्य सार्वजनिक मार्गों को बाधा मुक्त बनाना, यातायात व्यवस्था को सुचारु करना तथा स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करना बताया गया है। अभियान के दौरान सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अस्थायी अतिक्रमणों को हटाया गया। साथ ही नगर पालिका अमले ने संबंधित लोगों को समझाइश देते हुए भविष्य में दोबारा अतिक्रमण नहीं करने की चेतावनी दी। नगर पालिका सीएमओ इशांक धाकड़ ने बताया कि पूर्व में कई बार समझाइश और कार्रवाई के बावजूद कुछ स्थानों पर पुनः अतिक्रमण की स्थिति बन रही थी, जिससे आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सरकारी कार्यालयों और मुख्य मार्गों के आसपास बढ़ते अतिक्रमण से यातायात प्रभावित होने के साथ-साथ शहर की सुंदरता और स्वच्छता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। नगर पालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर के प्रमुख बाजारों, सरकारी परिसरों और सार्वजनिक मार्गों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा जहां भी अतिक्रमण या अव्यवस्था दिखाई देगी, वहां तत्काल कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने व्यापारियों, ठेला संचालकों और आम नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे सड़क, फुटपाथ एवं सरकारी परिसरों के आसपास अतिक्रमण न करें तथा स्वच्छता नियमों का पालन करें। साथ ही प्रतिबंधित प्लास्टिक पॉलिथीन का उपयोग न करने और कचरा निर्धारित स्थानों पर ही डालने की अपील की गई है।

जालौन कालपी हाईवे पर बड़ा सड़क हादसा तेज रफ्तार ट्रूक ने लोडर को मारी टक्कर /सर्विस रोड पर पलटा वाहन

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ कालपी हाईवे पर कहर तेज रफ्तार ट्रक ने लोडर को उड़ाया /सड़क पर मचा हड़कंप जनपद जालौन के कालपी क्षेत्र में झांसी? कानपुर हाईवे पर रविवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया कालपी नगर के एचपी पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने एक लोडर को जोरदार टक्कर मार दी जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई? तेज रफ्तार बना हादसे की वजह प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक काफी तेज गति से आ रहा जैसे ही वह पेट्रोल पंप के सामने पहुंचा उसने सामने चल रहे लोडर को टक्कर मार दी

आप को बता दें टक्कर इतनी भीषण थी कि लोडर अनियंत्रित होकर सर्विस रोड की तरफ पलट गया वहीं मौके पर मची चीख पुकार वहीं हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने बिना देर किए राहत कार्य शुरू किया और लोडर में फंसे चालक को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की गनीमत यह रही कि चालक को गंभीर चोटें नहीं आईं और वह बाल-बाल बच गया वहीं यातायात हुआ प्रभावित हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं इसी के मद्देनजर रखते हुए हम आप को बता दें जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा वहीं पुलिस मौके पर पहुंची जांच शुरू वहीं सूचना मिलते ही टरननगंज चौकी पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त लोडर को हटवाकर यातायात को फिर से सुचारू कराया साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी गई है और ट्रक चालक की तलाश/पूछताछ की जा रही

बताया जा रहा है कि सड़क सुरक्षा पर फिर उठे सवाल इस घटना ने एक बार फिर हाईवे पर तेज रफ्तार और लापरवाही से ड्राइविंग की समस्या को उजागर कर दिया स्थानीय लोगों ने मांग की है कि इस मार्ग पर स्पीड कंट्रोल और निगरानी व्यवस्था को और सख्त किया जाए

कालपी में खतरे का पुल: बियरिंग फेल, भारी वाहनों पर इमरजेंसी ब्रेक–प्रशासन अलर्ट, जाम रोकना अब सबसे बड़ी चुनौती

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ कालपी (जालौन) कानपुर-झांसी हाईवे पर स्थित पुराने यमुना पुल की हालत ने प्रशासन की नींद उड़ा दी है। बियरिंग में आई गंभीर तकनीकी खराबी के बाद बड़ा खतरा मंडराता देख भारी वाहनों की एंट्री पर पूरी तरह 'इमरजेंसी ब्रेक' लगा दिया गया है।

ट्रक-बस जैसे बड़े वाहनों को तुरंत प्रभाव से रोकते हुए प्रशासन ने साफ कर दिया-अब जरा सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है। ओवरलोड और लगातार दबाव ने पुल को कमजोर कर दिया था, हालात इतने बिगड़ चुके थे कि कभी भी बड़ा हादसा हो सकता था। इसी खतरे को भांपते हुए एनएचएआई और प्रशासन ने सख्त कदम उठाया और भारी ट्रैफिक को नए यमुना पुल की ओर मोड़ दिया।

दुर्गा मंदिर के पास डिवाइडर तक कटवाना पड़ा, ताकि ट्रैफिक का बहाव किसी तरह संभाला जा सके-हालात की गंभीरता यहीं से समझी जा सकती है। शहर को जाम से बचाना अब प्रशासन के लिए 'अग्निपरीक्षा' बन गया है।

छोटे वाहनों को फिलहाल राहत दी गई है, लेकिन जरा सी चूक पूरे शहर को जाम के जाल में फंसा सकती है। उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह खुद सड़क पर उतरकर हालात संभाल रहे हैं और हर पॉइंट पर सख्त निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। खदानों से निकलने वाले भारी वाहनों के लिए भी सख्त ट्रैफिक प्लान लागू कर दिया गया है-अब ये वाहन सीधे पुल की ओर नहीं जा सकेंगे, बल्कि अमलतास तिराहे से यू-टर्न लेकर आगे बढ़ेंगे। साफ है, प्रशासन किसी भी कीमत पर शहर को ट्रैफिक के 'ब्लैकआउट' से बचाना चाहता है।

एनएचएआई के अफसरों ने भी मान लिया है कि पुल पर बढ़ता दबाव और ओवरलोडिंग ने ढांचे को हिला दिया था। मरम्मत तेज़ी से शुरू की जा रही है, लेकिन तब तक हर कदम 'हाई अलर्ट' मोड में उठाया जाएगा। अगर ट्रैफिक प्लान जरा भी फेल हुआ, तो कालपी में जाम नहीं, 'ट्रैफिक इमरजेंसी' देखने को मिल सकती है।

पिछोर में अवैध पटाखा निर्माण पर पुलिस की कार्रवाई, दो आरोपियों से पटाखे जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। पिछोर। शिवपुरी पुलिस द्वारा अवैध पटाखा निर्माण एवं भंडारण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पिछोर थाना पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर दो आरोपियों के कब्जे से अवैध पटाखे जब्त किए हैं। दोनों आरोपियों के विरुद्ध विस्फोटक अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले तथा एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि कस्बा पिछोर में कुछ लोग अवैध रूप से ज्वलनशील पदार्थों से बने पटाखों का भंडारण कर रहे हैं। सूचना पर थाना प्रभारी पिछोर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दो स्थानों पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान कल्याण सिंह कर्ण (55 वर्ष), निवासी रन्नौद रोड पिछोर के कब्जे से लगभग 3 हजार रुपये मूल्य के विभिन्न प्रकार के पटाखे तथा शरद गुप्ता, निवासी गणेश चौक पिछोर के कब्जे से लगभग 3,500 रुपये मूल्य के पटाखे बरामद किए गए। पुलिस ने मौके पर ही पटाखों को जब्त कर दोनों आरोपियों के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम की धारा 9(ख) के तहत मामला दर्ज किया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक नीतू सिंह, उपनिरीक्षक बी.एल. दोहरे, सहायक उपनिरीक्षक जहान सिंह, कमल सिंह बंजारा, परमा, अरविंद सगर सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में अवैध पटाखा निर्माण, भंडारण एवं विस्फोटक सामग्री से संबंधित गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

नैनीताल हाईवे पर काल बनकर दौड़ी कार, टक्कर लगने साइकिल सवार की मौत

नैनीताल हाईवे पर गांव इंद्रपुर के पास फ्लाईओवर पर कार चालक ने लापरवाही से साइकिल सवार को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। उधर, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रुद्रपुर उत्तराखंड स्थित जिला अस्पताल भेज दिया।

रुद्रपुर जाते वक्त हादसा-थाना शाहबाद क्षेत्र के गांव मुंडिया नागोर निवासी तौफीक अहमद (40) पिछले काफी बारह साल से क्षेत्र के गांव चन्देन में रहकर मेहनत-मजदूरी करते थे। परिजनों ने बताया कि रविवार की सवेरे करीब नौ बजे मजदूरी के लिए साइकिल से रुद्रपुर उत्तराखंड जा रहे थे। इस दौरान गांव इन्दरपुर के पास फ्लाईओवर पर पीछे से तेज गति में आ रही कार के चालक द्वारा लापरवाही से टक्कर मार दी। जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उत्तराखंड पुलिस करा रही पोस्टमार्टम- दुर्घटना के बाद मौके पर आस-पास के लोगों समेत राहगीरों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। सूचना पर रुद्र-बिलास चौकी प्रभारी योगेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। बाद में घायल को उपचार के लिए रुद्रपुर उत्तराखंड स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक जीत सिंह ने बताया कि घायल की मौत रुद्रपुर उत्तराखंड में हुई है। इसलिए उत्तराखंड पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। जबकि क्षतिग्रस्त वाहन को कब्जे में ले लिया है। कहा कि अभी इस मामले में कोई लिखित तहरीर नहीं आई है, तहरीर आने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम प्रधान प्रदीप गौतम पर लाखों की ठगी का आरोप – SP दरबार से लेकर थाने तक भटके ग्रामीण

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ जालौन जनपद के थाना रामपुरा क्षेत्र के ग्राम जगम्मनपुर में भ्रष्टाचार और ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ग्राम प्रधान प्रदीप गौतम पर आरोप है कि उन्होंने आवासीय पट्टे और नमामि गंगे विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर दर्जनों ग्रामीणों से लाखों रुपये वसूल लिए। पीड़ित ग्रामीणों ने बताया कि पहले भी वे पुलिस अधीक्षक के दरबार में न्याय की गुहार लगा चुके हैं, लेकिन कार्रवाई न होने से उनका गुस्सा अब फूट पड़ा है। मजबूर होकर आज फिर सभी ग्रामीण थाने पहुंचे और सामूहिक शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, ग्राम प्रधान ने गरीब और जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का झांसा देकर पैसे लिए। मनीष पुत्र माता प्रसाद से करीब 1,30,000 रुपये नौकरी दिलाने के नाम पर वसूले गए, लेकिन न नौकरी मिली और न ही पैसा वापस किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि जब उन्होंने पैसे वापस मांगे तो ग्राम प्रधान ने गाली-गलौज करते हुए झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी। इससे गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि शिकायत के बावजूद अब तक स्थानीय प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई। इससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है और वे खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। ग्रामीणों की मांग- ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ग्राम प्रधान प्रदीप गौतम के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज किया जाए, निष्पक्ष जांच कराई जाए और गरीबों के ठगे गए पैसे वापस दिलाकर कड़ी कार्रवाई की जाए।

कोतवाली पुलिस ने दो लोगों को गांजा के साथ पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन)। आज कोतवाली पुलिस ने दो लोगों को साढ़े तीन किलो करीबन गांजा के साथ गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया है मिली जानकारी में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश बहादुर सिंह उनकी टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी को लेकर अभियान चलाया जिसने दो लोगों को पकड़ा गया जिनके कब्जे से गांजा बरामद हुआ है पकड़े गये निखिल वर्मा निवासी ग्राम अंडा और बुद्धसिंह रैकवार निवासी ग्राम अंडा है पकड़े गये दोनों के कब्जे से साढ़े तीन सौ ग्राम के करीबन गांजा मिला है पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा एन डीपीएस के अंतर्गत दर्ज कर दोनों का चालान कर दिया है

PVC Aadhaar Card: Get your Aadhaar card as small as an ATM card, it will cost only 75 rupees; learn how

If you also want to get your PVC Aadhaar card made, the process is very simple and you can get it made from home for just 75 rupees. Whether you need any government or non-government work, you need an Aadhaar card. Aadhaar cards are also required for many other tasks, from completing KYC (Know Your Customer Care) to opening a bank account and getting a SIM card. If you wish, you can make your Aadhaar card as small as an ATM card, i.e., a PVC Aadhaar card. Let's learn how to get a PVC Aadhaar card made and how much you will have to pay for it. You can learn how to get a PVC Aadhaar card made from home here... How can you get a PVC Aadhaar card made? Step 1: You can get your PVC Aadhaar card made at home for just ?75. To do this, first visit the UIDAI's official website, uidai.gov.in. Select your preferred language. Then, go to the "My Aadhaar" section. Step 2: Click on the "Order Aadhaar PVC Card" option. Enter your Aadhaar number and captcha code. Click on the "Send OTP" button. Step 3: You will receive an OTP on your mobile number linked to your Aadhaar card. Enter it. Then, click on the "Submit" button. Now, it's time to pay the PVC Aadhaar card fee, which is ?75. Step 4: You can pay using a debit/credit card, UPI, or other payment methods. Your application will be completed and your PVC Aadhaar card will arrive at your doorstep via India Post within a few days.

Amarnath Yatra 2026: Read this essential guide before visiting Baba Barfani, your journey will be easier.

The Amarnath Yatra 2026 will begin on July 3 and continue until August 28. First-time pilgrims must be well-informed about registration, health certificates, the correct route, weather, and essential gear. The Amarnath Yatra, undertaken to visit Baba Barfani, is considered one of the most sacred pilgrimages in Hinduism. Every year, millions of pilgrims reach the sacred cave located amidst the high mountains of Jammu and Kashmir, where they visit the naturally formed ice Shivalinga. This journey, filled with spiritual faith and adventure, is as beautiful as it is challenging. In 2026, the Amarnath Yatra will begin on July 3 and continue until August 28. This year, the pilgrimage will last for approximately 57 days, and many new safety and health measures have been implemented. If you are planning to go on the Amarnath Yatra for the first time, just booking your tickets and packing your bags is not enough. The weather can change suddenly, the altitude can cause breathing difficulties, and the journey can seem daunting if not properly prepared. Therefore, it's crucial to be aware of some important things in advance. Let's explore five key things every first-time traveler should know. What should first-time pilgrims do? Get registered and a health certificate in advance. Registration is mandatory for the Amarnath Yatra. Pilgrims also need to obtain a Compulsory Health Certificate (CHC) because the pilgrimage takes place in a high-altitude area. Without medical fitness, permission to travel is not granted. This year, registration began on April 15. When will the Amarnath Yatra begin? In 2026, the Amarnath Yatra begins on July 3. The yatra will conclude on August 28, 2026, on Rakshabandhan. What is the exact route of the Amarnath Yatra? There are two main routes for the Amarnath Yatra: the Pahalgam and Baltal routes. The Pahalgam route is considered longer but relatively easier, while the Baltal route is shorter but steeper. The Pahalgam route is considered more comfortable for first-time travelers. Don't underestimate the weather. The weather can change suddenly during the Amarnath Yatra. Heavy rain, cold winds, and snowfall can occur at any time. Therefore, it is extremely important to carry warm clothing, a raincoat, waterproof shoes, and essential medications. What to prepare before the journey? The Amarnath Yatra is not considered an easy trek. Due to the high altitude and long trek, it is important to prepare the body in advance. A few weeks before the journey, do daily walks and light exercises. Starting breathing exercises can be beneficial. What not to take on the Amarnath Yatra? Many first-time travelers overpack, which can make the climb difficult. Try to carry only essential clothing, medications, identification, and light luggage. A light bag can make the journey more comfortable. Avoid carrying polythene, intoxicants, heavy or silk saris, or unhealthy food items on the Amarnath Yatra. Wearing slippers or sandals on the steep and treacherous mountain paths is also strictly prohibited.

Mouni Roy's Cannes Look: Mouni Roy's glamorous look at Cannes 2026, dazzling the red carpet in this look

Mouni Roy stole everyone's attention with her glamorous red carpet look at the 2026 Cannes Film Festival. She made a stunning entrance in a crystal-embellished gown and diamond jewelry, pictures of which are rapidly going viral on social media. Many Indian stars made their presence felt at the Cannes Film Festival this year, but Mouni Roy, who has been in the news for her divorce, captured everyone's attention when she walked the red carpet. Mouni Roy's glamorous style was also on display at the Cannes Festival. Mouni Roy, who has made her mark from TV to Bollywood, made a fashion statement on the French Riviera this time, capturing the attention of fans on social media. Her red carpet look sparked a flurry of reactions. Mouni made her presence felt at Cannes in a variety of outfits. At times, she wore a shimmery crystal-embellished gown, while at others, she wore a Patola-style outfit inspired by Indian art. Her style showcased a stunning blend of global fashion and Indian crafts. Let's find out which of Mouni Roy's looks grabbed the most attention at Cannes 2026. Mouni Roy's glamorous look at Cannes 2026 - What did Mouni Roy wear at Cannes? Mouni Roy entered the red carpet wearing a shimmery crystal-embellished gown. Her glamorous look in this strapless outfit quickly went viral on social media. She paired the gown with diamond jewelry and a sleek hairdo, which made her look even more elegant. Presenting Indian craftsmanship - Not just Western glamour, Mouni also showcased Indian art at Cannes. She wore a handcrafted outfit inspired by Gujarat's traditional Patola weaving, which took approximately 300 hours to complete. This look was liked a lot by fashion lovers. Minimal makeup and bold styling became the talk of the town - Mouni completed her Cannes look with minimal glam instead of heavy makeup. Nude tone makeup, contour chicks and sleek bun hairstyle highlighted her outfit more. Fashion experts are calling it a mix of old Hollywood glam and modern style. Pictures went viral on social media - Pictures and videos of Mouni Roy from Cannes are going viral rapidly. Fans are praising her confidence and fashion sense. Many people called her look bold international.

Naagzilla: Who will be the villain in 'Naagzilla'? A major update on Kartik Aaryan's film

Kartik Aaryan is in the news for his upcoming film, 'Naagzilla.' The film will be based on a wish-fulfilling serpent. A major detail has emerged regarding this film. Kartik Aaryan's upcoming film, 'Naagzilla,' is already generating fans. Meanwhile, a new update has According to recent rumors, the actor role in the film. The film is scheduled What will Kartik's character be like Economic Times, Kartik Aaryan will the villain in the film 'Naagraj.' It is part of a franchise. Sources close to the begun working vigorously to create personalities and looks for these the characters? - According to reports, interested in playing diverse will portray these roles brilliantly. Shahrukh Khan's - Interestingly, the play a double role was Shahrukh Kartik will keep his character different story be based on? Let us tell you that the 'Ichchhadhari Naag' (a shape-folklore. Reportedly, this story depicts dangers of today's times. Film's release planned to be released in August 2026.

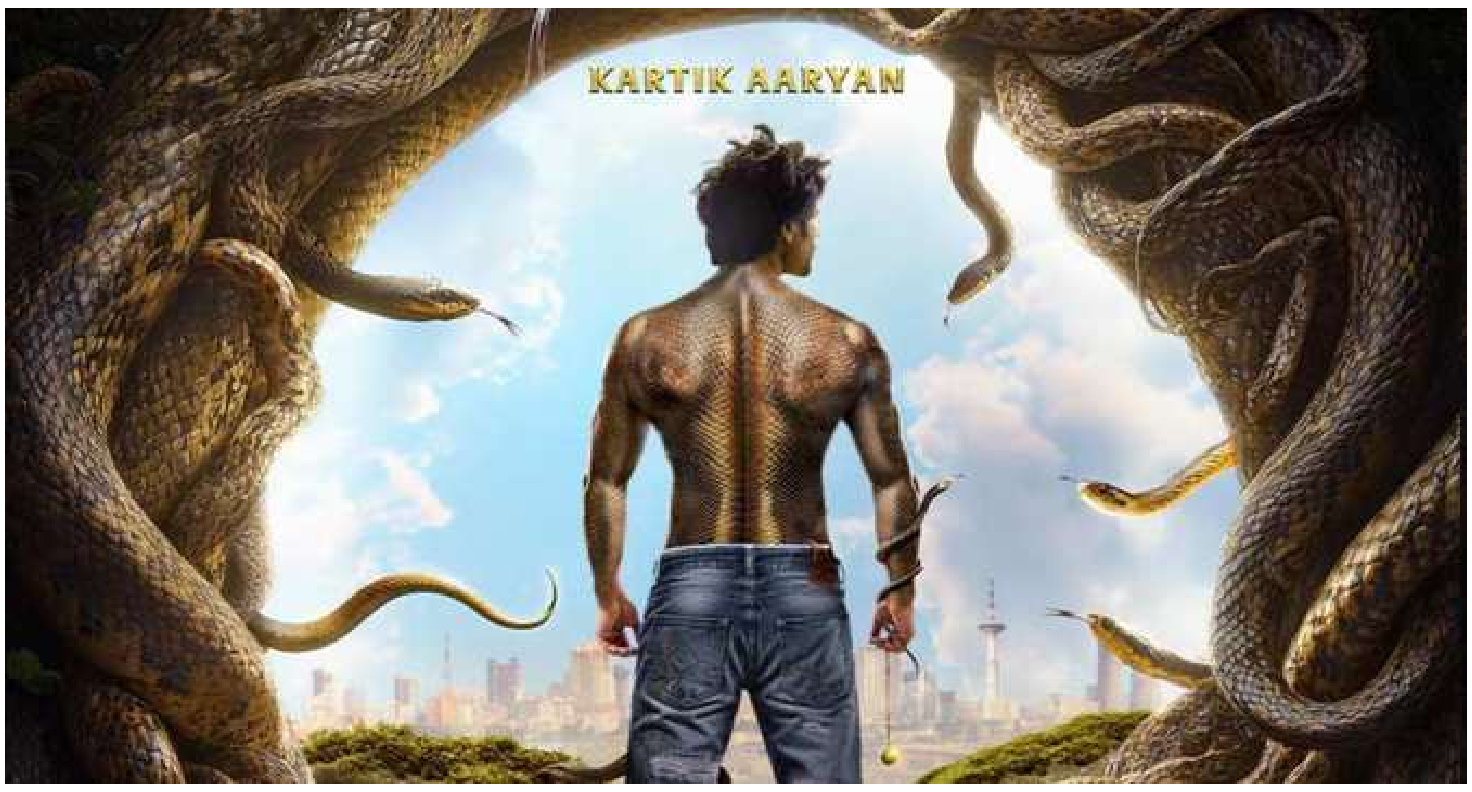

tremendous excitement among emerged regarding the film. will be seen in a challenging double to release on February 12, 2027. in 'Naagzilla'? - According to the reportedly play both the hero and said that this film will be the first project claim that the actor has two completely different characters. How does Kartik play since Kartik has always been characters, it is expected that he Character will be different from most recent Bollywood actor to Khan in 'Jawaan'. However, in the film 'Naagzilla'. What will the 'Naagzilla' is based on the story of shifting snake) mentioned in Indian a snake who has to adjust to the postponed - The film was initially However, the makers later decided to postpone its release to focus on the extensive VFX and post-production work. It will now hit theaters on February 12, 2027.

The house where Ranbir and Alia got married is now up for rent; the rent will shock you; it was designed by Gauri Khan.

Bollywood actor Ranbir Kapoor is once again in the news for his luxurious Mumbai apartment. Find out what the whole story is. Actor Ranbir Kapoor is currently in the news for his upcoming film, Ramayan. This is a teaser has already sparked excitement. into the spotlight for his luxurious Ranbir and Alia's house: Bollywood Mumbai's posh Pali Hill area, has now surprised everyone. According to luxurious Vaastu apartment for ?11 in the Pali Hill area of ??Bandra West, was done under a 5-year leave and as security deposit. This luxury square feet, has been rented to Aditya agreement also includes a condition of lakh rupees has been deposited as married in this house - According to house in 2016 for approximately 35 designed by renowned designer Gauri luxurious homes of Bollywood stars. Ranbir Kapoor. He married Alia Bhatt ceremony on April 14th. The wedding pictures of which went viral on social house - About a year ago, Ranbir and

much-awaited film. The release of the first Meanwhile, the actor has once again come Mumbai apartment. This is the rent for star Ranbir Kapoor's old house, located in found a new tenant. The monthly rent has reports, Ranbir Kapoor has leased his lakh per month. This apartment is located Mumbai. It is being reported that this deal license agreement. 45 lakh rupees deposited apartment, spanning approximately 2,460 Shukla. According to reports, the a 5 percent increase in rent every year. 45 security deposit. Ranbir and Alia got reports, Ranbir Kapoor purchased this crores. The interiors of this house were Khan, who is known for decorating the This house has also been very special for in this apartment in a very private took place on the balcony of the house, media. Ranbir and Alia now live in this Alia moved into their new house, Krishna Raj Bungalow, with their daughter Rhea Kapoor. Located in Pali Hill, this bungalow is considered very special emotionally for the Kapoor family. It is said to be worth around 250 crores and was purchased jointly with Ranbir's mother, Neetu Kapoor. Ranbir and Alia's work front - On the work front, Ranbir Kapoor will soon be seen in "Ramayana Part 1," directed by Nitesh Tiwari. This film is expected to release on Diwali this year. He also has big films like "Love and War" and "Animal Park" in the pipeline.

Aishwarya Rai finally walked the Cannes red carpet, looking stunning in a blue gown.

Aishwarya Rai arrived a little late at the Cannes Film Festival this year. However, she stunned everyone with her look, and fans are praising her. After much anticipation, Aishwarya Rai finally arrived at the 2026 Cannes Film Festival. The festival began on May 12th, and her arrival had been awaited ever since.

Previously, several Indian actresses like Alia Bhatt, Huma Qureshi, and Diana Penty have made their presence felt at Cannes. Aishwarya dazzled at Cannes: Aishwarya Rai arrived at the Cannes Film Festival in a stunning blue gown. Her dress featured distinctive wrinkles, making her look like a mermaid. She paired the gown with a dupatta that draped over both her hands and hung down to the floor. What was Aishwarya's look like? Aishwarya Rai wore rings on both her hands.

Her necklace enhances her beauty. She wore light makeup and left her hair open. Aishwarya was seen smiling on the red carpet. Users praised Aishwarya Rai's gown, designed by designer Mohit Roy. Many users commented on her photos. One user called her a queen. Another wrote, "Bow down and salute. Cannes has regained its glory." Another user wrote, "Cannes is incomplete without Aishwarya." Another user wrote, "The journey to Cannes is now complete.

" Aishwarya arrived late. Aishwarya Rai Bachchan has been a part of the Cannes Film Festival since 2002. Each time, she surprises people with her looks. This time, she arrived a little late. It is said that she arrived late due to personal reasons. Where is Cannes held? The Cannes Film Festival is held in the French city of Cannes, where many film personalities from around the world arrive. Several actresses from India have also participated in this event. The ceremony is scheduled to conclude on May 23rd. Aishwarya arrived a day before the closing ceremony.